RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

एक अच्छी पुस्तक हजारों दोस्तों के बराबर होती है, जबकि एक अच्छा दोस्त एक लायब्रेरी के बराबर होता है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

वर्ष-06, अंक - 30 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 18 अप्रेल 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

अ्र भर गालिब यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। भारत में चुनाव आयोग स्वतंत्र इकाई है और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है। आयोग समय-समय पर राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर चुनाव सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाता रहा है। लेकिन फिर भी विपक्षी दल समय-समय पर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहे हैं। वर्तमान में कांग्रेस, विपक्ष में है तो आयोग पर सवाल उठा रही है। जबकि पूर्व में जब कांग्रेस सत्ता में थी और भाजपा विपक्ष में थी तो भाजपा भी आयोग की कार्य प्रणाली पर संदेह जताती रही है और आयोग समय-समय पर उन संदेह को दूर करने के लिए कई सुधार करता रहा है। उसके बावजूद आयोग पर संदेह उठता देखकर गालिब का यह शेर सटीक बैठता है कि, ''उम्र भर ग़ालिब यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।''

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईवीएम और वीवी पेट की पर्चियां को शत प्रतिशत मिलाने संबंधी याचिका को अव्यवहारिक बताया है। अदालत नें कहा है कि, इसमें मानवीय भूल संभव है जबकि मशीन में त्रुटि की संभावना नहीं रहती है।

हाल ही में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय

सिंह भी ईवीएम की बजाय बैलेट से चुनाव की मांग कर चुके हैं। साथ ही उन्होंने इसके लिए लगभग 400 उम्मीद्वारों से फॉर्म भरने की अपील की है। ताकि आयोग बैलेट से चुनाव कराने के लिए बाध्य हो सके। उल्लेखनीय है कि, ईवीएम मशीन में अधिकतम 384 उम्मीद्वार ही हो सकते हैं। ऐसे में दिग्विजय सिंह ने 400 उम्मीद्वारों के फॉर्म भरवाने को लेकर एक नई बहस को जन्म दे दिया है। जबकि चुनाव आयोग ने चुनावी पारदर्शिता को लेकर पहले से ही मॉक पोल और प्रत्येक विधानसभा से रेण्डमली पांच मशीनों की वीवीपेट की पर्चियो के मिलाने की व्यवस्था भी कर रखी है।

क्या होता है मॉक पोल

चुनाव आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए मॉक पोल (दिखावटी मतदान) की व्यवस्था की है जिसके लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर वास्तविक मतदान के डेढ़ घंटे पहले दिखावटी मतदान चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी के एजेंट के समक्ष में कराना होता है और कम से कम 50 वोट सभी उम्मीदवारों को समान रूप से देकर तत्काल गिनती कर एजेंटो को दिखाया जाता है। वीवीपेट की पर्चियों को भी गिनकर व मशीन से मिलाकर दिखाया जाता है और एजेंटो से हस्ताक्षर भी लिए जाते हैं। उसके पश्चात मशीन को विशेष प्रकार की सील लगाकर सील किया जाता है और मतदान के पश्चात एक बार फिर एजेंटो की उपस्थिति में सील्ड किया जाता है और मशीन स्ट्रांग रूम में एजेंट या उम्मीद्वार की उपस्थिति में सील्ड किया जाता है। सभी प्रकार की सिलो पर उम्मीद्वार के एजेंटो के हस्ताक्षर लिए जाते हैं और उन हस्ताक्षरों को गिनती के समय मिलाया भी जाता है, ऐसे में मशीनों से छेड़छाड़ असंभव है। इसका प्रश्न यह है कि सभी क्षेत्रों में मशीनों में उम्मीद्वार का क्रम अलग-अलग रहता है कहीं कांग्रेस का उम्मीद्वार पहले नंबर पर रहता है तो कहीं भाजपा का उम्मीद्वार पहले स्थान पर रहता है। ऐसे में मशीनों में छेड़छाड़ कैसे हो सकती है, लेकिन बावजूद इसके मशीनों पर संदेह करना पूरे प्रशासनिक व्यवस्थाओ पर संदेह करने के समान है। क्योंकि पूरी कार्रवाई अलग-अलग प्रशासनिक नुमाइंदों द्वारा की जाती है। अब देखना यह है कि, पूर्व मुख्यमंत्री अपने निर्वाचन क्षेत्र राजगढ़ में 400 उम्मीद्वारों के फॉर्म भरवा पाते हैं या नहीं।

रोकेंगे एनआरसी-यूसीसी, खत्म करेंगे सीएएः तृणमूल ने चुनावी घोषणा पत्र किया जारी

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी और विपक्षी इंडिया अलायंस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने लोकसभा चुनावों के लिए बुधवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। ममता बेनर्जी की अध्यक्षता वाली पार्टी ने इसमें नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को रद्द करने और देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू करने से रोकने का वादा किया है।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए कहा, यह सब हम तब करेंगे जब टीएमसी, इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में केंद्र में सरकार बनाएगी। टीएमसी के घोषणा पत्र में सीएए और यूसीसी के अलावा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत दैनिक भत्ता को बढ़ाकर 400 रुपए प्रति दिन करने का भी वादा किया है। इसके अलावा पार्टी ने सभी को पक्के मकान देने का भी वादा किया है।

इसके अलावा पार्टी ने गरीबी रेखा से नीचे रह रहे (बीपीएल) परिवारों के लिए उनके घर पर ही राशन पहुंचाने और 10 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त उपलब्ध कराने का वादा किया है। इसके अलावा अन्य कई कल्याणकारी योजनाओं का भी ऐलान टीएमसी ने किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित मित्रा ने इस मौके पर कहा कि उनकी पार्टी मूल्य स्थिरीकरण कोष का निर्माण कर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को नियंत्रित करने का वादा करती है।

'दीदी का शपथ' नाम से जारी घोषणा पत्र में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य, एससी, एसटी और ओबीसी छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप देने और सभी युवाओं को रोजगार की गारंटी का वादा किया गया है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि देश के सभी गरीब परिवारों को मुफ्त आवास दिया जाएगा। सभी राशन कार्ड धारियों को पांच किलो अनाज प्रति माह मुफ्त देने का वादा किया गया है।

युवाओं को लुभाते हुए घोषणा पत्र में 25 वर्ष तक के सभी स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को मासिक वजीफे के साथ एक साल का अप्रेंटिसशिप देने का वादा किया गया है। इसके अलावा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को 10 लाख रुपए तक का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड देने का वादा किया गया है।

नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर- बस्तर आईजी

कांकेर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को हुई मुठभेड़ में 29 नक्सलियों को मार गिराया था। इसके एक दिन बाद बुधवार को बस्तर के आईजी (पुलिस महानिरीक्षक) पी. सुंदरराज ने इस मुठभेड़ को एक बड़ी सफलता कहते हुए बताया और कहा कि, जनवरी से अबतक 71 नक्सली मारे गए हैं और नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है।

कांकेर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुंदरराज ने बताया कि, कांकेर जिले के बीनागुंडा-कोरागुट्टा के जंगलों में 16 अप्रैल को हुई मुठभेड़ छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर मिली बड़ी सफलताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि खुफिया सूत्रों से जंगल में लगभग 50 नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में इनपुट मिला था, जिनमें से 29 को मार गिराया गया, बाकी को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

4 घंटे तक चली मुठभेड़

मुठभेड़ के बारे में विस्तार से बताते हुए बस्तर आईजी ने कहा किए मंगलवार दोपहर करीब दो बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुईए जो करीब 4 घंटे तक चली। डीआरजी और बीएसएफ की टीमों ने इलाके की घेराबंदी करते हुए सर्च अभियान छेड़ा, जिसमें सीपीआई माओवादियों के 29 शव बरामद हुए। इनमें 15 शव महिला नक्सलियों के थे। मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है।

इलाके को नई पहचान देंगे

बस्तर आईजी ने बताया‌ए इस वर्ष जनवरी से लेकर अबतक 71 नक्सलियों को मार गिराया जा चुका है। यह छत्तीसगढ़ में नक्सली मोर्चे पर सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। नक्सलवाद के खिलाफलड़ाई निर्णायक मोड़ पर है। भविष्य में भी हमारी यही कोशिश रहेगी कि नक्सलियों के खिलाफ हमने अबतक जो किया है उसे आगे बढ़ाया जाए।' साथ ही उन्होंने बताया, 'इस इलाके और यहां के लोगों को एक नई पहचान देने के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं'।

ख़तरें से बाहर हैं घायल जवान

उन्होंने यह भी बताया कि ष्मुठभे? में बीएसएफ;सीमा सुरक्षा बलद्ध का एक इंस्पेक्टर और डीआरजी ;जिला रिजर्व गार्डद्ध का एक जवान भी घायल हुआ है और वे दोनों खतरे से बाहर हैं। रायपुर के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहाए नक्सलियों के शवों का पोस्टमार्टम भी चल रहा है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में दो मृत नक्सलियों की पहचान शंकर और महिला नक्सली ललिता के रूप में हुई है।

माकपा के परमाणु हथियार नष्ट करने के वादे पर भड़के राजनाथ सिंह

कासरगोड, एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को माकपा के चुनावी घोषणा पत्र पर निशाना साधा, जिसमें माकपा ने कहा है कि अगर सत्ता में आये तो देश के परमाणु हथियारों को नष्ट कर देंगे। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछता चाहता हूं कि माकपा के इस वादे पर आप क्या करेंगे। राजनाथ सिंह ने केरल के कासरगोड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत के दोनों पड़ोसियों के पास परमाणु हथियार हैं। ऐसी स्थिति में भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने की बात करना, देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने से कम नहीं है। यह देश की सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश है।

माकपा का घोषणापत्र

माकपा यानि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) विपक्षी आईएनडीआईए ब्लॉक का हिस्सा है और माकपा ने गुरुवार को पार्टी के घोषणापत्र में परमाणु हथियारों को नष्ट करने का वादा किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि, एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में संयुक्त 'मनी हाइस्ट' की योजना बना रहे हैं। भाजपा ऐसा नहीं होने देगी, क्योंकि भारत की जनता ने तय कर लिया है- 'अबकी बार 400 पार'। उन्होंने कहा,जब भ्रष्टाचार और जनता के पैसे की लूट की बात आती है, तो वामदल और कांग्रेस एक दूसरे के 'ईरटा' (जुड़वा भाई) हैं और अब केरला में भी इनका गेम ओवर होने वाला है।

वामदलों पर बरसे राजनाथ

राजनाथ सिंह ने कहा कि, एक बार जब जनता ने त्रिपुरा और बंगाल से वामदलों को किक आउट कर दिया तो फिर सत्ता में उनके लिए नो एंट्री हो गई है। चाहे कांग्रेस हो या लेफ्ट पार्टी जब भी यह जनता के सामने अच्छी तरह एक्सपोज हो जाते हैं, तो इनका गेम ओवर हो जाता है। यही कारण है कि जिस भी राज्य से इनको किक आउट कर दिया जाता है, वहां के दरवाजे इनके लिए हमेशा बंद हो जाते हैं।

लोकसभा चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई-राहुल

मांड्या (कर्नाटक), एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनावों को दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि, एक तरफ इंडिया 'संविधान के लिए लड़ रहा है' और दूसरी तरफ भाजपा 'संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है'।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र पर बोतले हुए उन्होंने कहा कि अगर आईएनडीआईएन देश की सत्ता में आता है, तो यह 'आम नागरिकों, किसानों, मजदूरों और व्यापारियों की सरकार' होगी।

भाजपा संस्थानों में अपने लोगों को बिठा रही- गांधी

राहुल गांधी ने मांड्या में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, यह दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस और आईएनडीआईएन का गुट है, जिसने संविधान के लिए लड़ाई लड़ी, देश को संविधान और लोकतंत्र दिया। दूसरी ओर भाजपा है, जो संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है और सभी संस्थानों में अपने लोगों को बिठा रही है।

भाजपा सरकार 22 से 25 अमीर लोगों की

उन्होंने कहा कि, भाजपा सरकार 22 से 25 अमीर लोगों की है। कांग्रेस आप लोगों को ऐसी सरकार देगी जो आम नागरिकों, किसानों, मजदूरों और व्यापारियों के लिए काम करेगी।

मोदी सरकार हफ्ते बाजी करती है

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल ने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार 'हफ्ता बाजी' (जबरन वसूली योजना) चलाती है। उन्होंने चुनावी बॉन्ड योजना को दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा जबरन वसूली घोटाला बताया।

प्रधानमंत्री मोदी हाथ कांप रहे थे- राहुल

साथ ही राहुल गांधी ने लोगों से गूगल पर जाकर चुनावी बॉन्ड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इंटरव्यू देखने के लिए कहा कि इस दौरान उनके हाथ कैसे कांप रहे थे। राहुल गांधी ने आगे कहा कि, आपने नरेंद्र मोदी का इंटरव्यू देखा होगा। उस इंटरव्यू में उन्होंने चुनावी बॉन्ड के बारे में बात की थी। यह एक घंटे लंबा इंटरव्यू था जहां उन्होंने चुनावी बॉन्ड पर सफाई देने की कोशिश की।

2014 में आशा, 2019 में विश्वास और अब गारंटी

नलबाड़ी (असम), एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि, वह 2014 में लोगों के बीच आशा, 2019 में विश्वास लेकर आए थे और अब 2024 में गारंटी लेकर आए हैं। असम के नलबाड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, देश भर में मोदी की गारंटी है और मैं इन सभी गारंटी को पूरा करने की गारंटी दे रहा हूं। पीएम ने कहा, पूर्वोत्तर मोदी की गारंटी का गवाह है क्योंकि कांग्रेस ने इस क्षेत्र को केवल समस्याएं दी थीं लेकिन भाजपा ने इसे संभावनाओं का स्रोत बना दिया है।

मोदी ने कहा, कांग्रेस ने विद्रोह को बढ़ावा दिया लेकिन मोदी ने लोगों को गले लगाया और क्षेत्र में शांति लेकर आया। कांग्रेस के 60 साल के शासनकाल में जो हासिल नहीं किया जा सका, उसे मोदी ने दस साल में प्राप्त कर लिया। मोदी ने कहा कि, अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर में सूर्य तिलक समारोह के साथ 500 वर्ष बाद उनका जन्मोत्सव मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, हम अयोध्या में उत्सव में शामिल नहीं हो सकते, लेकिन हमें अपने मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर और भगवान राम की पूजा करके इस कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहिए। इससे पहले मोदी ने बुधवार को राम नवमी के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा, यह पहली रामनवमी है, जब अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर में हमारे राम लला विराजमान हो चुके हैं। राम नवमी के इस उत्सव में आज अयोध्या अप्रतिम आनंद में है।

उन्होंने कहा, पूरे देश में एक नया माहौल है। हम 500 वर्ष बाद भगवान राम का जन्मोत्सव उनके ही मंदिर में मना रहे हैं और यह सदियों की भक्ति व पीढ़ियों के बलिदान की वजह से हो पाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले पांच साल तक बिना किसी भेदभाव के सभी को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जाता रहेगा।

उन्होंने कहा कि, 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों का 'आयुष्मान भारत' योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज किया जाएगा ताकि परिवार पर बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, राजग सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' में विश्वास करती है और यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के वह लाभ मिले जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा, आपका यह बेटा (मोदी) आपके इलाज का खर्च उठाएगा।

मोदी यहां तीन निर्वाचन क्षेत्रों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने आए थे, जिनमें बारपेटा से असम गण परिषद के प्रत्याशी फणी भूषण चौधरी, कोकराझार से यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल के उम्मीदवार जयंत बसुमतारी और गुवाहाटी से भाजपा की प्रत्याशी बिजुली कलिता मेधी शामिल हैं। तीनों उम्मीदवार रैली में मौजूद थे।

पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में झामुमो नेता ने मांगी माफी

रांची, एजेंसी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता नजरुल इस्लाम ने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर दिए अपमानजनक बयान पर बुधवार को माफी मांग ली। उन्होंने कहा कि मेरी बात का गलत अर्थ निकाला गया और मेरा इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उन्होंने ये माफी तब मांगी जब राज्य के भाजपा नेताओं ने उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की प्राथमिकी दर्ज कराते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी।

इस्लाम ने एक वीडियो जारी करते हुए उस टिप्पणी को लेकर सफाई दी और कहा, एक राजनीतिक भाषण के दौरान मैं प्रधानमंत्री द्वारा किए जा रहे 400 सीटें जीतने के दावे के खिलाफ बोल रहा था, मेरा कहने का मतलब यह था कि उन्हें (भाजपा और राजग) 400 सीटें नहीं मिलेंगी और वे सत्ता से बाहर चले जाएंगे।

नजरुल बोले- मैं पढ़ा-लिखा इंसान हूं

झामुमो की केंद्रीय कमिटी के सदस्य ने कहा, मैं एक पढ़ा-लिखा इंसान हूं और प्रोफेसर हूं। मैं प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे शब्द नहीं कह सकता। लेकिन अगर किसी वजह से मेरे शब्दों से किसी को गलती से भी दुख पहुंचा हो तो मैं दिल से माफी मांगता हूं।

बोले थे- 400 फुट नीचे दफनाए जाएंगे

इससे पहले 14 अप्रैल रविवार को आंबेडकर जयंती के दिन नजरुल इस्लाम ने साहिबगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि, चुनाव में 400 सीट जीतने के बजाय नरेंद्र मोदी को 400 फीट नीचे गाड़ दिया जाएगा। इसके बाद भाजपा की साहिबगंज इकाई ने बुधवार को इस्लाम के खिलाफ पुलिस में शिकायत करते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी।

खुद की पार्टी ने भी छोड़ दिया था साथ

इस मामले को लेकर उनकी पार्टी झामुमो ने भी उनका साथ नहीं दिया था। पार्टी ने कहा था कि वह किसी नेता की ऐसी टिप्पणी का समर्थन नहीं करती और अगर इस्लाम ने वास्तव में ऐसा बयान दिया है तो उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा।

रेल की राह तकता एमपी का निमाड़

सेंधवा। नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश का निमाड़ आजादी के सात दशकों के बाद भी रेल राह तकता दिखाई दे रहा है। निमाड़ का आदिवासी बाहुल्य खरगोन/बड़वानी जिला ट्रेन सुविधाओं से पूरी तरह वंचित है। निमाड़ अंचल के रहवासियों के निकटवर्ती रेलवे स्टेशन खंडवा, इंदौर नरडाना महाराष्ट्र है। इन सभी से निमाड़ अंचल की दूरी 100 से 175 किलोमीटर है। क्षेत्र के नागरिकों ने आजादी के बाद छुक-छुक की आवाज सुनने के लिए लगभग सभी दलों के नेताओं पर भरोसा जताया। जिसने भी रेल का सपना दिखाया उसकी झोली वोटों से भर दी गई। उसे अपना प्रतिनिधि बनाकर दिल्ली पहुंचाया। किंतु आजादी के 77 बरसो के बाद भी रेल सुविधाएं निमाड़ के लिए सपना है। एक खूबसूरत सपना जो नेताओं और राजनीतिक दलों द्वारा हर पांच साल में दिखाया जाता है। कहते है, सपने सच होते है, किंतु निमाड़ में आजादी के बाद से छुक-छुक का सपना देखते-देखते अनेकों नागरिकों की आखें बौरा गई। अनेकों कालकलवित हो गए, किंतु सपना अब तक सपना बना हुआ है। जिसने भी सपना दिखाया निमाड़ के रहवासियों ने उस पर विश्वास किया किंतु जमीनी स्तर पर कुछ दिखाई नहीं देता जो आमजन के विश्वास को पुख्ता कर सकें। खरगोन लोकसभा क्षेत्र के लिए रेल का सपना कब पूरा होगा कहा नहीं जा सकता है। निमाड़ में रेल की चर्चा और रेल पर राजनीति कोई नई नहीं है। इस विषय पर समाज के वरिष्ठ जनों से बातचीत करने पर ज्ञात हुआ कि, वर्ष 1967 के चुनाव में कांग्रेस के शशिभूषण वाजपेई ने निमाड़ में रेल लाने का आश्वासन दिया था। रेल के इस आश्वासन ने शशिभूषण वाजपेई को विजय मिली थी। लोकसभा क्षेत्र के अनेकों वरिष्ठजनों का यह भी कहना है की इस दौरान रेल की पटरियां भी खरगोन जिले की सड़को, खेतो के निकट डाली गई थी। कुछ ने बताया कि, विद्युत के पोल को उस समय निमाड़वासियों ने रेल की पटरी समझा और यह खबर ऐसी फैली की बाहरी उम्मीद्वार शशिभूषण वाजपेई ने लोकसभा क्षेत्र के तत्कालीन सांसद रामचंद्र बड़े को हराकर चुनाव में विजय प्राप्त की। शशिभूषण रेल के नाम पर जीत तो गए, किंतु दोबारा इस लोकसभा से चुनाव नहीं लडा और रेल का आश्वासन भी अधूरा का अधूरा रह गया। खरगोन लोकसभा के 1962 और 1971 में सांसद रहे रामचंद्र विट्ठल बड़े ने भी रेल को निमाड़ के लिए बहुत आवश्यक माना था। निमाड़ अंचल में यह जनचर्चा है की अटल बिहारी वाजपेई जब भारत सरकार के विदेश मंत्री के रूप में तत्कालीन खरगोन जिले की सेंधवा तहसील आए तब मंच से रामचंद बड़े ने निमाड़ में रेल की आवश्कता से अटलजी को अवगत कराया था। रेलपथ की मांग लंबे समय से इस क्षेत्र में उठती रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान रेलपथ की मांग भी रफ्तार पकड़ लेती है। खरगोन लोकसभा क्षेत्र में दो तरफ से रेलमार्ग की मांग की जा रही है। एक इंदौर-मनमाड और दूसरी खंडवा, खरगोन, धार से गुजरात को जोड़ने वाला रेल मार्ग इसे ताप्ती नर्मदा रेल मार्ग संघर्ष समिति द्वारा बरसो से उठाया जा रहा है। मनमाड-इन्दौर रेल मार्ग के लिए बरसो से नागरिक आंदोलन भी चल रहे है। यह समिति मध्यप्रदेश की अपेक्षा महाराष्ट्र में अधिक सक्रिय रही है। समय के साथ इस संघर्ष समिति ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया किंतु जमीनी स्तर पर कुछ दिखाई नहीं दिया। मनमाड-इन्दौर रेल मार्ग संघर्ष समिति ने जिसमे धूलिया लोकसभा के पूर्व सांसद बापू चौरे भी शामिल रहे है ने 1995 के दरमियान एक पद यात्रा मनमाड से इंदौर तक निकाली थी। इस यात्रा में लकड़ी से बनी रेल भी शामिल थी। इस संघर्ष में धूलिया के पूर्व विधायक अनिल गोटे का नाम भी शामिल रहा है। निमाड़ में

रेल के लिए संघर्ष की दूसरी धारा ताप्ती नर्मदा रेलपथ को लेकर है। इस रेल पथ में खंडवा से धार व्हाया खरगोन, बड़वानी शामिल है। इसे लेकर वर्ष 2023 के दिसंबर माह में स्थानीय सांसद गजेंद्र पटेल के नेतृत्व में केंद्रीय रेलमंत्री से मिले निमाड़ के इस प्रतिनिधि मंडल में रेलवे सुविधाओं के लिए संघर्षरत ताप्ती नर्मदा रेल लाइन समिति के अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल, ओमप्रकाश खंडेलवाल, बीएल जैन, महेश शर्मा, राहुल सोनी, नानूराम कुमरावत शामिल थे। इस प्रतिनिधि मंडल को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आश्वस्त किया था की निमाड़ को रेलवे की सौगात जल्द मिलेगी। निमाड़ में रेलवे के संघर्ष से समय-समय पर जाने कितने ही लोग जुड़े क्षेत्र के सांसदों ने भी निमाड़ से जुड़ी मांगो को दिल्ली तक पहुंचाया। इंदौर की पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन और वर्तमान सांसद शंकर लालवानी ने भी दिल्ली में अपने प्रयास किए। इन प्रस्तावित रेलमार्गों में इंदौर-मनमाड को लेकर काफी चर्चा है। रेलवे विशेषज्ञों के अनुसार इस रेलमार्ग के बन जाने से इंदौर से मुंबई की दूरी कम हो जाएगी। यह दूरी 659 किलोमीटर रह जाएगी और सफर नौ घंटे में पूर्ण हो जाएगा। इस रेल मार्ग को लेकर कुछ साल पहले 363 किलोमीटर लंबी परियोजना का एमओयू साइन हुआ था, उसमे 10 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट के लिए मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकार ने 15-15 प्रतिशत की राशि देने के लिए कहा था। जबकि 15 प्रतिशत राशि जहाजरानी मंत्रालय और शेष राशि 55 प्रतिशत राशि जेएमपीटी को देनी थी। जमीन का सर्वे होने के बाद भी इसका काम शुरू नहीं हो पाया है। धूलिया से नरडाना के बीच में जरूर जमीन अधिग्रहण का काम शुरू हुआ है, लेकिन इसे फंड नहीं मिला है। जेएनपीटी ने फंड की कमी होना बताया है। इससे देरी होना स्वभाविक है। निमाड़ में रेल का सपना कब पूरा होगा यह तो कह पाना मुश्किल है, किंतु लंबे समय से लोकसभा चुनाव के दौरान रेलमार्ग का मुद्दा यहां के नागरिकों को प्रभावित जरूर करता है। 15 बरसो से खरगोन लोकसभा में भाजपा के लोकसभा उम्मीद्वार प्रतिनिधित्व कर रहे है। क्षेत्र में कांग्रेस ने भी प्रतिनिधित्व किया। सुभाष यादव, अरुण यादव भी इस लोकसभा क्षेत्र के सांसद रहे है। भाजपा से कृष्ण मुरारी मोघे भी इंदौर से आकर खरगोन लोकसभा से चुनाव लडे और जीते भी किंतु रेल का सपना चरितार्थ नहीं हो पाया। लोकसभा क्षेत्र को दो राज्यसभा सदस्य भी मिले एक वर्तमान के सुमरसिंह सोलंकी एक पूर्व में विजयलक्ष्मी साधो सभी ने अपने स्तर पर पत्र व्यवहार किया, किंतु सपना, सपना ही रहा। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 10 बरसो से भाजपा की सरकार काबिज है। निमाड़ में रेल का सपना अभी भी सपना बना हुआ है। यह जानते हुए की इस आदिवासी अंचल में रेल का आना नए रोजगार पैदा करेगा। निमाड़ की तस्वीर को बदलेगा, विकास की नवीन संभावनाओं को जन्म देगा। रेलवे के आधुनिकीकरण का ढिढोरा पीटने वाली केंद्र सरकार निमाड़ के इस आदिवासी अंचल में रेल पथ को लेकर इतनी उदासीन क्यों है...? आदिवासी समाज के विकास और तरक्की की बात करने वाली कांग्रेस और भाजपा दोनो ही दलों की केंद्र में सरकार रहीं है। दोनो ही दलों को इस लोकसभा क्षेत्र में सांसदी का अवसर मिला। किंतु निमाड़ के जनप्रतिनिधियों की आवाज दिल्ली में हर बार अनसुनी कर दी गई। निमाड़ का यह पिछड़ा आदिवासी अंचल परिवहन के साधनों की कमी से जूझ रहा है। एक छोटे से वाहन पर जिसकी क्षमता 10 सवारी की होती है उस वाहन में 50 से 60 सवारी बैठकर यात्रा करते है। निमाड़ अंचल से बड़े पैमाने पर रोजगार के लिए पलायन होता है। रेल का आगमन इस क्षेत्र में नवीन व्यवसायिक गतिविधियों की राह खोलेगा, आदिवासी समाज के विकास और तरक्की की इबारत लिखेगा। रेल मार्ग के सपना पूर्ण नहीं होने से निमाड़ अंचल के नागरिकों में सरकार के प्रति नाराजगी दिखाई देती है। निमाड़ की आवाज को दिल्ली में अनसुना करना निमाड़ अंचल के नागरिकों को दुखी और आक्रोशित दोनो कर रहा है।

करीबियों ने छोड़ा साथ, समर में अकेले कमलनाथ

भोपाल।

अपने सांसद बेटे नकुल नाथ को छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से दूसरी बार जीत दिलाने के लिए चुनावी समर में कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ अकेले नजर आ रहे हैं। जैसे-जैसे 19 अप्रैल की मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, छिंदवाड़ा में चुनाव प्रचार करना कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के लिए पारिवारिक लड़ाई की तरह लग रही है।

एक ओर मध्य प्रदेश के महाकोशल क्षेत्र की इस प्रतिष्ठित सीट पर चुनावी प्रचार के लिए कांग्रेस के दिग्गज गायब हैं तो दूसरी ओर भाजपा के विवेक बंटी साहू के पक्ष में प्रचार करने के लिए कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने दौरा किया है। कांग्रेस का कोई भी बड़ा राष्ट्रीय नेता नकुलनाथ के पक्ष में प्रचार के लिए छिंदवाड़ा नहीं आया है। खुद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव खुद चुनाव प्रचार के दौरान छह बार छिंदवाड़ा का दौरा कर चुके हैं।

मोहन यादव ने स्थानीय बनाम बाहरी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने विवेक बंटी साहू को स्थानीय जबकि यूपी के कानपुर के कारोबारी परिवार से आने वाले कमलनाथ को बाहरी करार दिया है। वहीं पूर्व सीएम कमलनाथ लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने की कोशिश करते हुए भाजपा की चुनौती का मुकाबला कर नजर आ रहे हैं।

यदि इस सीट के चुनावी इतिहास को देखें तो पाते हैं कि भाजपा ने पिछले 44 साल में केवल एक बार इस सीट से कमलनाथ परिवार के खिलाफ जीत दर्ज की है। पिछले लोकसभा चुनावों में साहू छिंदवाड़ा से विधानसभा चुनाव में कमलनाथ से हार गए थे। अब एकबार फिर वह नाथ परिवार के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं।

हाल ही में 77 वर्षीय कांग्रेस नेता कमलनाथ ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- जब मैं 44 साल पहले कहता था कि मैं छिंदवाड़ा से हूं, तो लोग पूछते थे कि यह कहां है। आज, आप जहां भी जाते हैं, आप गर्व से कह सकते हैं कि आप छिंदवाड़ा से आए हैं। मैंने अपनी जवानी के दिन छिंदवाड़ा के लिए समर्पित कर दिए। मैं जब भी यहां आता हूं, मुझे वे दिन याद आ जाते हैं। कमलनाथ ने युवाओं को सलाह दी कि वे अपने दादा-दादी से पूछें कि पहले यह क्षेत्र कितना बदहाल था। युवा पहले अब के विकास की तुलना करें।

वरिष्ठ पत्रकार बताते हैं कि, क्या बूढ़ा योद्धा अपने दम पर छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर जीत दर्ज कर सकता है...? राय बंटी हुई है लेकिन नौ बार के सांसद और दो बार के विधायक कमलनाथ बड़े पैमाने पर विधायकों के इस्तीफे के बीच इस बार भी चमत्कार होने को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं। कमलनाथ सहानुभूति फैक्टर पर भरोसा कर रहे हैं। कमलनाथ की पत्नी अलका नाथ और बहू प्रिया नाथ भी नकुल नाथ के लिए प्रचार करने के लिए पसीना बहा रही हैं जब कई स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

महाकाल मंदिर के सारे पुजारी स्वास्थ्य होकर लोटे

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन के महाकाल मंदिर में होली के दिन भस्मारती के दौरान लगी आग में झुलसे 11 पुजारी और भक्त कल स्वस्थ होकर अरबिंदो अस्पताल से डिस्चार्ज हुए। सभी का अस्पताल के 64 डॉक्टर्स और टीम की निगरानी में उपचार चल रहा था। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट सहित उज्जैन कमिश्नर संजय गुप्ता, कलेक्टर नीरजसिंह, एडीएम अंकुल जैन के अलावा मंदिर प्रशासक संदीप सोनी और इंदौर के कलेक्टर-कमिश्नर ने सतत निगरानी रखते हुए अस्पताल के डाक्टरों को प्रोत्साहित किया।

अरबिंदो के चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी ने बताया कि, इलाज के लिए अस्पताल की 64 डॉक्टरों की टीम लगातार जुटी थी। अस्पताल की बर्न यूनिट के हेड डॉ. अजय लुणावत ने बताया कि अधिकांश मरीज 30 प्रतिशत से अधिक जले थे और सबकी स्थिति अलग थी। उन युवा मरीजों की खास देखभाल की गई, जिनके चेहरे बुरी तरह झुलस गए थे। डॉक्टर्स की टीम ने न केवल उनकी जान बचाई, बल्कि अपनी ओर से पूरी कोशिश की कि उन युवा मरीजों के चेहरों पर जलने के भी निशान बाकी न रहें। अस्पताल से पुजारी मनोज जोशी, संजय पुजारी, शुभम जोशी, आनंद विकास शर्मा, रमेश चिंतामण गेहलोत, सोनू राठौर, अंश शर्मा मंगल और कमल स्वस्थ होकर अपने घर पहुंच चुके हैं। अस्पताल में डॉ. फहद अंसारी, डॉ. मुदित अग्रवाल, डॉ. सिमरन बहल, डॉ. चेतन अग्रवाल और अन्य की कोशिश विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। टीम के दीपा सिंह, आलोक कुमार, मयंक जायसवाल, रितेश पंवार और पूजा प्रजापत ने भी देखभाल और उपचार के दौरान विशेष योगदान दिया।

एक सेवक की हो चुकी है मौत

महाकाल मंदिर में झुलसे सभी पुजारी और सेवक जहां अरबिंदो अस्पताल से स्वस्थ होकर लौटे, वहीं गंभीर अवस्था में झुलसे 80 वर्षीय सेवक सत्यनारायण सोनी 30 प्रतिशत से अधिक झुलसने के बाद मुंबई ले जाए गए, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

पेड़ पर लटकी मिली किसान की लाश

माही की गूंज, रतलाम।

जिले की आलोट तहसील के ग्राम तालोद में किसान अपने ही खेत में आम के पेड़ पर रस्सी से बंधे फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसके फांसी के फंदे पर लटकने का कारण पता नहीं चल पाया है। वहीं स्वजन ने उसकी हत्या करने की आशंका जताते हुए पुलिस प्रशासन से जांच की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जांच के बाद ही उसकी मौत का कारण पता चल पाएगा। 45 वर्षीय किसान मांगू सिंह पुत्र धन सिंह निवासी ग्राम तालोद सोमवार की रात करीब 11 बजे घर से निकला था, इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। मंगलवार सुबह परिवार के किसी सदस्य को वह घर से करीब छह सौ फीट दूर स्थित उसके ही खेत में आम के पेड़ पर रस्सी से बंधे फांसी के फंदे पर लटका दिखाई दिया। कुछ ही देर में उसके फांसी के फंदे पर लटकने की खबर गांव में तेजी से फैली। स्वजन व बड़ी संख्या में लोग घटना स्थल पर पहुंचे तथा पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारी व जवान घटना स्थल पर पहुंचे तथा शव व घटनास्थल के आसपास जांच की। इसके बाद उसका शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए आलोट के सरकारी अस्पताल भिजवाया गया। उधर, स्वजन का कहना है कि मांगू सिंह ने खुदकुशी नहीं की गई है, किसी ने उसकी हत्या की है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम कराकर शव उसके स्वजन को सौंप दिया गया है, मामले की विवेचना की जा रही है।

राजस्थान में 26 अप्रैल को मतदान के कारण सीमावर्ती क्षेत्र की वट्ठा शराब दुकान रहेगी बंद

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, नेहा मीना द्वारा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 62 (2) के तहत जारी अधिसूचना के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान राज्य के जिला बांसवाड़ा में 26 अप्रैल 2024 को मतदान होने के कारण सीमावर्ती क्षेत्र की 03 किलोमीटर क्षेत्र में आने वाली झाबुआ जिले की थांदला तहसील में स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान-वट्ठा के लिए मतदान समाप्त होने के 48 घंटे पूर्व अर्थात 24 अप्रैल 2024 सायंकाल 6 बजे से 26 अप्रैल 2024 को राजस्थान राज्य के बांसवाडा जिले में आने वाले मतदान केन्द्रों में मतदान की समाप्ति तक शुष्क दिवस घोषित किया गया है। घोषित अवधि में निर्देशानुसार शराब का क्रय-विक्रय पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा। उक्त अवधि में तहसील थांदला की कम्पोजिट मदिरा दुकान-वट्ठा बन्द रहेगी। शुष्क दिवस की अवधि के दौरान मदिरा के आयात, निर्यात, क्रय-विक्रय, परिवहन एवं मदिरा के व्यक्तिगत भण्डारण तथा गैर लायसेंस प्राप्त परिसर में मदिरा के भण्डारण पर समुचित प्रतिबंधात्मक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

आदतन अपराधी को 3 माह के लिए जिला बदर

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदतन अपराधी विनित पिता अमित उर्फ सुमित भंडारी, उम्र-20 वर्ष, निवासी बाफना कॉलोनी मेघनगर, थाना मेघनगर जिला झाबुआ को जिला बदर किए जाने का आदेश दिया गया। जिला दण्डाधिकारी द्वारा यह कार्यवाही मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा 5 (क) व (ख) के अतर्गत पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल के प्रतिवेदन के पश्चात की गयी। जिला दंडाधिकारी द्वारा बताया गया कि, इस आदतन अपराधी पर विभिन्न थानों में विभिन्न अपराधों के मामले पंजीबद्ध है और इसकी आपराधिक, असामाजिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लोक व्यवस्था एवं जनसाधारण के हित में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये आदेश दिया गया। वह इस आदेश प्राप्त होने के 24 घण्टे के अन्दर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा व इस जिले के समीपवर्ती जिले धार, रतलाम, अलीराजपुर, खरगोन एवं बडवानी की राजस्व सीमाओं से 03 (तीन) माह की कालावधि के लिये बाहर चला जाए। उक्त अवधि में इस न्यायालय की लिखित अवधि के बिना उल्लेखित क्षेत्र में प्रवेश न करें। यदि अनावेदक के विरूद्ध कोई प्रकरण झाबुआ जिले में स्थित किसी माननीय न्यायालय में चल रहा हो तो वह नियत पेशी पर उपस्थित हो सकेगा परन्तु इसके पूर्व अनावेदक को संबंधित थाना प्रभारी को लिखित में सूचना देना होगी। न्यायालय में पेशी होने के तुरन्त पश्चात इस न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जावेगा तथा इस न्यायालय की लिखित अनुमति के बिना उक्त क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करेगा।

क्या नेता यूपीएसी के जरिये चने जाएं...?

चूंकि मै किसी राजनीतिक दल का प्रचारक नहीं हूँ इसलिए मुझे केंचुआ रंजीत सिंह सुरजेवाला की तरह 48 घंटे के लिए बैन नहीं कर सकता। मै रोजाना आपके लिए लिखता हूँ और आज भी लिख रहा हूँ। आज मैंने संघ लोकसेवा आयोग के नतीजों की खबर पढ़ी तो मुझे ख्याल आया कि क्यों न देश में सांसदों के चयन के लिए संघ लोकसेवा आयोग को ही मुकर्रर कर दिया जाए। यूपीएससी यानि संघ लोकसेवा आयोग वैसे भी लोक सेवक ही तो चुनता है, फिर नेताओं को क्यों नहीं चुन सकता? आखिर नेता भी तो लोकसेवक ही होते हैं?

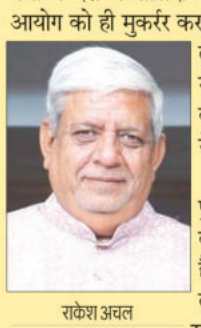

राकेश अचल

यूपीएससी का इतिहास काफी पुराना है। ये संगठन 1854 से देश के लिए लोक सेवक चुनता आ रहा है। पहले ये आईसीएस चुनता था लेकिन 1922 से आईएएस चुन रहा है। पहले यूपीएससी का नाम एफपीएससी था लेकिन भारत की आजादी के बाद जैसे ही देश में नया संविधान बना इसका नाम यूपीएससी हो गया। यूपीएससी को मै केंचुआ से ज्यादा महत्वपूर्ण मानता हूँ, क्योंकि केंचुआ तो देश के लिए पांच साल में एक बार 543 लोक सेवक चुनता है लेकिन यूपीएससी तो लगातार ये काम करता है। इस साल भी यूपीएससी सीएसई 2023 के परिणामों में 1143 रिक्त पदों के मुकाबले 1016 के चयन की सूची जारी की गई है. इन सभी को आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, ग्रुप ए और ग्रुप बी सर्विस में सरकारी नौकरी मिलेगी।

यदि संघ लोकसेवा आयोग को ये काम सौंपा जाये तो संसद में जाने से पहले सभी नेताओं को एक नहीं बल्कि दो-दो इम्तिहान देना पड़ें। मजेदार बात ये हो कि भावी लोकसेवकों को न टिकिट पाने के लिए किसी की चिरौरियाँ करना पड़ें और न नोट देना पड़ें। किसी हाईकमान की, किसी संसदीय बोर्ड की जरूरत ही न पड़े। कम से कम न्यूनतम योग्यता वालों को ही संसद में जाने की पात्रता तो होगी। अभी तो संसद में जाने की कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय ही नहीं है। अभी तो बस आपकी उम्र 25 साल के ऊपर होना चाहिए। आपकी योग्यता का पैमाना आपकी शिक्षा, चाल-चलन नहीं है आपका पुलिस से चरित्र सत्यापन भी जरूरी नहीं है। आप खुद अपने ऊपर चले रहे मामलों की जानकारी दे दें तो आपकी कृपा है। आपने नेता बनने से पहले कितना, क्या और कैसे कमाया? कोई नहीं पूछता। ईडी, सीबीआई तो बाद में आपके पीछे लगती है। वो भी तब जब आप सत्ता के साथ नहीं बल्कि आश्रम के साथ खड़े होते हैं तब।

केंचुआ को संसद सुनने से पहले आदर्श आचार संहिता लगना पड़ती है जो उसके हिसाब से नहीं सत्ताधीशों के हिसाब से काम करती है। केंचुआ किसी को भी चुनाव से पहले और चुनाव के बाद एडवायजरी जारी कर सकता है, किसी को भी चुनाव प्रचार करने से रोक सकता है। केंचुआ किसको कितनी आजादी दे ये सत्ता तय करती है, केंचुआ नहीं। यूपीएससी में ये सब झंझट नहीं है। निर्धारित अहर्ता है तो पहले प्रिलिम्स में उत्तीर्ण होइए और फिर मुख्य परीक्षा में अपनी योग्यता का मुजाहिरा कीजिये। अगर योग्यता नहीं है तो चाहे चाय बेचिये या पकौड़े। कोई रोकने वाला नहीं। सांसद बनने के लिए कोई न्यूनतम योग्यता नहीं है। चाय बेचने वाला हो, मजदूर हो, हत्याभियोगी हो, जेबकतरा हो, संसद के लिए चुनाव लड़ सकता है। केवल सजायाफ्ता नहीं होना चाहिए। हो भी तो दो साल से कम की सजा वाला हो।

मुमकिन है कि आप मेरी कल्पना पर हँसे, मुझे मूर्ख भी कहें, आपको ये छूट भारतीय संविधान ने दी है। सत्ता आपको ये छूट नहीं देती, लेकिन चूंकि मै संविधान के विधान को मानता हूँ इसलिए मै आपको ये आजादी देता हूँ। मै आजादी का परम उपासक भी हूँ और समर्थक भी। मैंने 1975 में भी आजादी पर हमलों का विरोध किया था और पचास साल बाद 2024 में भी कर रहा हूँ। मुझे जब से मतदान का अधिकार मिला है मै नेता की सूरत देखकर मतदान नहीं करता । मै पार्टियों का चल, चरित्र और चेहरा देखता हूँ। मै मंदिर-मस्जिद, मजहब के नारे देने वालों को भूलकर भी वोट नहीं देता। मै वोट देने से पहले उम्मीदवार की जाति या छाती का आकार भी नहीं देखता। अनेक मौकों पर ऐसा हुआ कि मुझे अपने इलाके में कोई उम्मीदवार समझ नहीं आया तो मैंने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। मेरी इस मूर्खता की वजह से बज्जर मूर्ख उम्मीदवार जीत गए। इसका अफ़सोस मुझे आजतक है।

भारत में यदि सब कुछ संविधान के मुताबिक चले और सांसद चुनने का काम भी यदि संघ लोकसेवा आयोग जैसे किसी संस्थान को सौंप दिया जाये तो मै अपना मताधिकार तक समर्पित करने को राजी हूँ। मेरा वोट खरीदने वाले देश में ढेरों है। मान लीजिये कि यदि मै अपना वोट न भी बेचूँ तो खरीदार मेरे वोट से चुने सांसद और विधायक को खरीद लेते हैं। वे तो पूरी की पूरी सरकार ही खरीद लेते हैं। आपका लोकसेवक यदि किसी आयोग द्वारा तय परीक्षा से चुना जाएगा तो कम से हाल के हाल तो नहीं बिकेगा! उसे भ्रष्ट होने में कुछ वक्त लगेगा। वो थोड़ा-बहुत तो नैतिक होगा। वो आपने हाथ से अपने वेतन-भत्ते नहीं बढ़ा पायेगा। वो संसद में पहूंचकर केवल मेजें नहीं थपथपाएगा। केवल अपने नेता के नाम की माला नहीं जपेगा। उसे जिस काम के लिए भेजा गया है, वो काम भी करेगा।

अभी तो मै देखता हूँ कि आप केंचुआ की देखरेख में चुनते हैं, उसका कोई खाड़ा (भरोसा) नहीं। चुनाव के बाद वो आपको मिल ही जाये इसकी कोई गारंटी नहीं है। न राहुल बाबा इसकी गारंटी दे सकते हैं और न मोदी बाबा। संघ लोकसेवा आयोग द्वारा चुने जाने वाले लोकसेवकों को ये आजादी नहीं है। वे निर्लंबित किये जा सकते है। बर्खास्त किये जा सकते हैं। उनका तबादला किया जा सकता है। उनके वेतन-भत्ते रोके जा सकते हैं। उनके खिलाफ आय से ज्यादा सम्पति रखने पर कार्रवाई हो सकती है। केंचुआ की देखरेख में चुने जाने वाले लोकसेवक परम स्वतंत्र होते हैं। वे किसी को भी मार्गदर्शक मंडल में डाल सकते हैं और किसी को भी बाहर निकाल सकते हैं भले ही वे खुद मार्गदर्शक मंडल में जाने की पात्रता रखते हों। अभी हम जिन लोकसेवकों को चुनते हैं उन्हें रिटायर नहीं किया जा सकता। वे जब चाहें तब तक चुनाव लड़ सकते हैं,,राजनीति कर सकते हैं। जितना चाहे कमा सकते हैं

बहरहाल मेरी कल्पना अभी हाल-फिलहाल तो साकार नहीं हो सकती। इसलिए 16 अप्रेल को जब आप पहले चरण के लिए लोकसेवक चुनने जा रहे हों तो अपनी आँखें खोलकर रखें। उन्हें चुनें जो राम के नाम पर वोट न मांग रहे हो। जो मजहब के नाम पर कटोरा लेकर आपके घर न आये हों। जिन्होंने अपनी गरीबी का रोना न रोया हो।जो झारखण्ड में सीताहरण कि लिए दोषी न हों मै आपसे किसी दल विशेष के प्रत्याशी को वोट देने के लिए नहीं कहूंगा। मेरा आग्रह तो ये है कि आप अपने प्रत्याशी का चल, चरित्र और चेहरा देखे। देखें कि वो आपको व्यापारियों की तरह सेवा करने की गारंटी न देता हो, जो बहुरूपिया न हो।

नामांकन रैली में प्रत्याशी व राजनीतिक दल दिखाएंगे अपना-अपना दमखम

अपनेअलग ही रंग में दिखाई देगा 2024 का लोकसभा चुनाव

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमील मंसुरी

लोकसभा चुनावों का बिगुल अधिकृत रूप से बज चुका है। इस बिगुल के बजते ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो चुकी है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर तो पहले से ही चल रहा है और दल बदलने की प्रक्रिया भी बहुत पहले से ही शुरू हो चुकी है। दोनों ही प्रमुख दलों ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। 18 अप्रेल से नामांकन भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। यह प्रक्रिया 25 अप्रेल तक जारी रहेगी। नामांकन की आखिरी तारीख 25 अप्रेल है। इसके बाद 26 तारीख को नामांकन पत्रों की समीक्षा होगी और आगे की कार्रवाई को चुनाव आयोग अंजाम देगा। चुनाव आयोग का कार्यक्रम अपनी जगह है लेकिन राजनीतिक पार्टियों की चुनावी चौसर अपने अलग ही रंग में नजर आ रही है। वैसे तो हर चुनाव में राजनीति के कई रंग देखने को मिलते है, लेकिन इस बार का 2024 का लोकसभा चुनाव काफी अहम देखा जा रहा है। हर दल के अपने-अपने दावे है लेकिन परिणाम अब भी समय के गर्त में है।

रतलाम-झाबुआ सीट की अगर बात करें तो यहां चुनावी रंग अपने अलग ही रंग में दिखाई पड़ रहा है। प्रमुख राजनीतिक दलों के आरोप प्रत्यारोप फिजा में सुनाई दे रहे है, तो जीत के अपने-अपने दावे भी सुनाई पड़ रहे है। इस सारे माहौल से अगर कोई चीज गायब है तो वह है जनता के मूलभूत मुद्दे, जो अब तक किसी भी दल की ओर से अब तक सुनाई नहीं दिए है। एक दूसरे पर आरोपों की झडिय़ां ही सुनाई दे रही है। असल में इस लोकसभा सीट पर इस वक्तकिसी को कमजोर या मजबूत कहना बैमानी ही होगा। क्योंकि यह तो समय और जनता ही तय करेगी कि इस लोकसभा के लिए कौन लायक है और कौन नालायक है।

कांतिलाल का लंबा राजनीतिक अनुभव

प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भाजपा ने यहां अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा बहुत पहले ही कर दी है। कांग्रेस कांतिलाल भूरिया मैदान में है। जिन्हें पार्टी ने फिर एक बार मौका दिया है। हालांकि इसके पहले यह बात राजनीतिक गलियारों में सुनाई दे रही थी कि कांतिलाल अब चुनाव नहीं लड़ेंगे, मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। कांतिलाल भूरिया इस लोकसभा सीट पर पांच बार के सांसद रहे है और वे छठी बार इस सीट पर सांसद बनने के लिए जोर आजमाईश करते दिखाई दे रहे है। भूरिया को एक बहुत लंबा अनुभव राजनीति का रहा है। छात्र संगठन से शुरू हुई उनकी यह राजनीती 40 वर्ष से अधिक का समय तय कर चुकी है। इस लंबे समय में वे काफी कुछ कर गुजरें है। संसदीय क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है। उनके मुकाबले में पूरी संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस के पास शायद कोई चेहरा नहीं दिखाई पड़ता। हालांकि प्रदेश कांग्रेस संगठन में अब तब्दीलियां आ चुकी है और कांग्रेस ने प्रदेश में युवाओं को अपनी कमान सौंप दी है। यह युवा लाबी शायद कांतिलाल भूरिया को या तो पसंद नहीं करती या फिर वह अब इस संसदीय सीट पर नया चेहरा देखना चहती है। यह भी बताया जाता है कि प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार भी भूरिया के पक्ष में कतई नहीं थे। मगर कांतिलाल की जोड़-जुगाड़ काम कर गई और वे एक बार फिर से पार्टी से टिकट लाने में कामयाब हो गए। कांतिलाल भूरिया वैसे तो इस संसदीय क्षेत्र के लिए कुछ कर पाए या नहीं यह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन उन्होने अपने डॉक्टर बेटे का राजनीतिक जीवन जरूर सवांर दिया है। वर्तमान में विक्रांत झाबुआ विधानसभा से विधायक है। शायद भूरिया यह चाहते थे कि, उनके रिटायरमेंट के पहले उनका बेटा विक्रांत प्रदेश स्तरीय राजनीति में अपनी अच्छी तरह से जगह बना ले।

अनिता चौहान लोकसभा में पहली बार

तो वहीं बीजेपी से प्रदेश वन मंत्री की पत्नी पहली बार लोकसभा में अपना हाथ आजमा रही है। हालांकि इनका राजनीतिक करियर अब तक अपनी विधानसभा से बाहर का मुंह नहीं देख सका है। यह पहला मौका है जब उन्हे भाजपा ने लोकसभा में अपना प्रत्याशी बनाया है। यह अलग बात है कि उनके पति नागरसिंह चौहान चौथी बार विधायक बने और वर्तमान सरकार में वे अब वन मंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे है। हालांकि अनिता चौहान को इस लोकसभा सीट से जिताने के लिए बीजेपी ने इस लोकसभा सीट पर तीन प्रदेश मंत्री दिए है, जो पार्टी का काम करते हुए अनीता चौहान को जीताने का भरसक प्रयास करेंगे। यहां अनिता चौहान अपने और लोकसभा सीट के तीन प्रदेश मंत्रियों के भरोसे ही दिखाई पड़ रही है। उनकी अपनी इस लोकसभा सीट पर कोई पकड़ नहीं है। वर्तमान प्रदेश सरकार में वनमंत्री बने नागरसिंह की अगर बात की जाए तो इनका राजनीतिक सफर भी काफी सफल रहा है। हालांकि इस राजनीतिक सफर में उन्हे कई तरह के आरोपों से गुजरना पड़ा है। इसी बात का फायदा इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और कांतिलाल भूरिया उठाते भी दिखाई पड़ रहे है। कांतिलाल भूरिया के पुत्र और वर्तमान झाबुआ विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया लगातार नागरसिंह चौहान और उनके परिवार को टारगेट कर आरोपों की झड़ी भी लगा रहे है। हालांकि चौहान पर लग रहे इन आरोपों को सीरे से नकारा भी नहीं जा सकता है। यहां यह कह पाना भी मुश्किल है कि इन आरोपों का लोकसभा चुनावों में कितना असर पड़ेगा। क्योंकि चुनावों के पहले भी चौहान परिवार पर कई तरह के अवैध कारोबार और माफियागिरी के आरोप लग चुके है। जबकि विधायक भूरिया नागरसिंह व चौहान परिवार पर लगातार व्यक्तिगत हमले करते दिखाई पड़ रहे है। पिछले दिनों फिर एक बार उन्होने जोबट में नागरसिंह चौहान को गुंडा कह दिया। बताया यह भी जाता है कि, विक्रांत के पूर्व में दिये गए बयान पर मामला भी दर्ज हो चुका है, लेकिन उन्होने अपने बयान को एक बार फिर से दोहरा दिया है।

कांग्रेस 24 को तो भाजपा 25 को करेगी नामांकन रैली

चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा के बाद लगातार राजनीतिक हलकों में गहमा-गहमी बनी हुई है। दोनों ही प्रमुख दलों में नामांकन रैली को लेकर तैयारिया जोरों पर चल रही है। नामांकन रैली के पहले कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं में जान फूंकने के लिए होली मिलन समारोह का आयोजन कर रही है। कांग्रेस के इस तरह के आयोजन में कार्यकर्ताओं के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई है। इस होली मिलन समारोह को राजनीतिक नजरिये से बहुत महत्वपूर्ण भी माना जा रहा है। क्योंकि इसके बाद 24 अप्रैल को कांग्रेस अपनी नामांकन रैली का आयोजन कर रही है। इस रैली में भीड़ इक्ठठी करने के लिए कार्यकर्ताओं को भरपेट भोजन कराया गया है। कांग्रेस की नामांकन रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खडगे का भी झाबुआ दौरा तय हो चुका है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार व प्रदेश के कई नेता जो कांतिलाल के पक्ष में थे या नहीं थे इस रैली में शामिल होंगे और कांतिलाल को जीताने की अपील करते नजर आएंगे। इस नामांकन रैली के जरिये कांग्रेस अपना शक्ति प्रदर्शन करने जा रही है। इस उद्देश्य में कांग्रेस और कांतिलाल कहां तक सफल होंगे यह समय ही बताएगा। मगर इतना तो जरूर है कि तैयारियां जोरों पर है। चाहे अंजाम जो हो।

इसी तरह भाजपा भी अपनी नामांकन रैली अंतिम दिन यानि 25 अप्रैल को करने जा रही है। 25 अप्रैल नामांकन भरने की आखिरी तरीख है। यह भी माना जा रहा है कि 24 तारीख को कांग्रेस की नामांकन रैली देखने के बाद भाजपा अपनी नामांकन रैली में और अधिक भीड़ लाने की कोशिश करेगी। हालांकि जिला भाजपा के जिम्मेदार भाजपा की अनिता चौहान की नामांकन रैली में 25 हजार या उससे अधिक कार्यकर्ताओं की भीड़ इक्ठठी करने का दावा कर रहे है। चूंकि जिस दिन से भाजपा संगठन ने रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट पर अनिता नागरसिंह चौहान का नाम घोषित किया है उसी दिन से लोकसभा सीट पर भाजपा व अनिता चौहान सक्रिय दिखाई पड़ रही है। लगातार लोकसभा क्षेत्र में कैंपेनिंग की जा रही है। कार्यकर्ता सम्मेलन जगह-जगह आयोजित किए जा रहे है। भाजपा की इस तैयारी से यह लगता है कि वह बूथ स्तर पर तैयारी कर चुकी है और 25 अप्रैल को होने वाली नामांकन रैली में अधिक भीड़ लाने का प्रयास लगातार कर रही है। भाजपा की इस नामांकन रैली में मुख्यमंत्री मोहन यादव के शिरकत करने की बात सामने आ रही है। इसके साथ ही भाजपा की इस नामांकन रैली में कई प्रदेश मंत्री व पदाधिकारी शामिल हो सकते है।

लोकसभा चुनावों को लेकर अब उठा-पटक तेज हो चुकी है। हर पार्टी और प्रत्याशी अपने स्तर पर जोर आजमाईश करने को तैयार दिखाई पड़ रहा है। 2024 का यह लोकसभा चुनाव अपने अलग रंग बिखेरता नजर आ रहा है। सबके अपने-अपने और बड़े-बड़े दावे है। इन दावों में कौन कितना और कहां तक सफल होता है यह समय और जनता ही तय करेगी। आरोप-प्रत्यारोप, लोक लुभावन वादों और दावों का दौर अब मतदान के 48 घंटे पहले तक चलता रहेगा। रतलाम-झाबुआ संसदीय सीट पर आगे भी कई घटनाएं, किस्से और कहानियां देखने और सुनने को मिलेंगी।

नाली का निर्माण नहीं होने से मच्छरों से परेशान रहवासी

माही की गूंज, भामल।

ग्राम पंचायत भामल की उदासीनता कहे या निष्क्रियता यहां के आबादी क्षेत्र में ग्रामीणों को गंदे पानी व मच्छरों से परेशान होना पड़ रहा है। लेकिन ग्राम पंचायत है कि, ईस और कोई ध्यान ही नहीं दे रही है। जिसके कारण ग्रामीणों को मच्छरो के काटने के साथ ही कई तरह की बीमारियों का डर सता रहा है। रहवासियों ने कई बार ग्राम पंचायत को अवगत करवाया लेकिन ग्राम पंचायत में हर बार आश्वासन दिया जाता है कि जल्द ही नाली का निर्माण कर दिया जाएगा। लेकिन नई पंचायत समिति बनने के बाद 2 साल से अधिक समय हो गया लेकिन अभी तक कोई भी नाली निर्माण कार्य नई पंचायत समिति नहीं कर पाई। इसके कारण ग्रामीणों को मच्छरो के ढंस के साथ ही बीमारी का ढंस भी झेलना पड़ रहा है। क्योंकि इसी नाले में बड़े-बड़े मच्छर पनप रहे हैं जिससे बीमारियों का डर अधिक रहता है। इस नाले मे पूरे गांव का पानी बहकर निकलता है जिससे आसपास रह रहे मकान वालों को परेशानियों से गुजरना पड़ता है लेकिन ग्राम पंचायत है की आंखें मूंद कर बैठी हुई है। या फिर जानकर भी अनजान बनकर जवाबदार देखकर भी बेदेखी कर रहे हैं यह प्रतीत हो रहा है। यहां के रहवासियों ने जल्द से जल्द नाली निर्माण की मांग ग्राम पंचायत से की है, ताकि उन्हें आने वाले समय में बीमारियों की चपेट में नहीं आना पड़े।।

एफसीआई की टीम के साथ एसडीएम ने किया निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद अनिल कुमार राठौर ने सोमवार को भारतीय खाद्य निगम की टीम के साथ गेहूं खरीदी केन्द्र रायपुरिया,सारंगी, मंडी स्तरीय खरीदी केंद्र पेटलावद, पाटीदार वेयरहाउस पेटलावद का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में गेहूं के सैंपल एफसीआई की टीम द्वारा लिए गए। साथ ही टीम ने किसानों को समझाया की किसान अपने गेहूं बिक्री करने से पहले पंखा एवं मैकेनाइज्ड छन्ना अवश्य उपयोग करे। जिससे शासन की मंशानुरूप ए मोड में गुणवत्ता मापदंड अनुसार एफसीआई गोदाम में गेहूं जमा कर सकें। टीम में भारतीय खाद्य निगम के तकनीकी सहायक प्रहलाद देवड़ा, वीरेंद्र सिंह, नागरिक आपूर्ति निगम से जिला प्रबंधक विवेक रंगारी ,मध्य प्रदेश वेयरहाउस लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन से पीएस हटीला, निलेश पाटीदार, खाद्य आपूर्ति विभाग से कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुरेश तोमर उपस्थित रहे।

श्री राम जन्म उत्सव को लेकर सभी मंदिरों में हुए धार्मिक आयोजन

माही की गूंज, सारंगी।

भगवान श्री राम का जन्मोत्सव इस वर्ष विशेष था। क्योंकि अयोध्या में भगवान श्री राम अपना जन्मोत्सव अपने घर में ही मना रहे थे। यह सौभाग्य 500 वर्षों बाद मिला।

श्री राम जन्म उत्सव को लेकर ग्राम में राम भक्तों में बड़ा उत्साह देखा गया। राम मंदिरों में भगवान श्री राम का विशेष श्रृंगार किया गया। सारंगी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्री राम जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राम मंदिरों में सुबह से भक्तों के दर्शन का ताता लगा रहा। मंदिरों में पुरुष एवं महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन किए गए। ठीक 12 बजे भगवान राम की सभी मंदिरों में एक साथ ढोल, नगाड़े, घड़ी, घंटाल की ध्वनि के साथ आरती उतारी गई। राम भक्तों द्वारा भगवान श्री राम के जयकारो से मंदिर पंडाल गूंज उठे। महा आरती के पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया।

न वैकुंठ में, न योग में भगवान विराजते है भक्ती में-सुश्री वैष्णवी भट्ट

प्रथम बार नगर की बेटी ने सुनाई सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण

माही की गूंज, पेटलावद।

कलयुग में भगवान, भागवत के माध्यम से अपने भक्तों के हृदय में भक्ति के रूप में विराजीत रहते है। न वैकुंठ में वास करते है न योगीयों के योग में वे केवल सच्ची श्रद्धा और भक्ति करने वाले भक्तों के हृदय में निवास करते है। भागवत का एक-एक शब्द ही भगवान कृष्ण है। जो की हमें सभी दुखों से तार कर अपने जीवन को किस तरह जीना चाहिए यह सिखाती है। उक्त बात प्रथम बार भागवत कथा का वाचन कर रही पेटलावद की बेटी सुश्री वैष्णवी भट्ट ने सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के विश्राम पर कहीं। इस मौके पर उन्होंने भगवान कृष्ण और सुदामा की मित्रता का जीवंत चित्रण करते हुए मित्रता का महत्व को प्रतिपादित किया। वहीं अन्य प्रसंगों के माध्यम से भगवान के गुणों का वर्णन और उन्हें धारण करने की प्रेरणा दी। कथा के यजमान आयदान परमार और परमार परिवार के द्वारा कथा की पूर्णाहुति पर भागवत पोथी की पूजा अर्चना करते हुए व्यासपीठ पर विराजीत सुश्री वैष्णवी भट्ट की भी पूजा कर उन्हें सम्मानित किया।

समाज ने किया सम्मान

इस मौके पर ब्राम्हण समाज के द्वारा प्रथम बार समाज की बेटी द्वारा भागवत करने पर उसका सम्मान किया गया। इस मौके पर ब्राम्हण समाज महिला मंडल अध्यक्ष संगीता त्रिवेदी, रंजना रामावत, मीना भट्ट, भावना भट्ट, राधिका भट्ट, जिज्ञासा भट्ट आदि ने व्यासपीठ पर सुश्री वैष्णवी भट्ट का स्मृति चिन्ह और साल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस मौके पर समाज की अध्यक्ष संगीता त्रिवेदी ने कहा कि, यह हमारे लिये गौरव की बात है कि, नगर की पहली बेटी है जिसने व्यासपीठ पर बैठ कर धर्म की गंगा बहाई। महाआरती का लाभ आयदान परमार के द्वारा लिया गया। इसके पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया।

राम जन्मोत्सव पर हुआ सुंदरकांड पाठ

माही की गूंज, झाबुआ।

श्री राम मन्दिर राजवाडा में श्री रामलला जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सुंदरकांड मंडल (उमेश पांडे) झाबुआ द्वारा प्रातः 9 से 12 बजे तक सुमधुर भजनमय श्री सुंदरकांड का पाठ किया गया। जिसमें भजन गायक उमेश पांडे, गोपालसिंह गेहलोद, दीपक टेलर, श्रीमती टेलर, कृष्णा शाह, अरविंद नायक, नवनीत त्रिवेदी, भेरूसिह सोलंकी, अंतिम कलवार, विश्वास शाह, आशीष पांडे, विकास पांडे, राहुल गोस्वामी, आदि उपस्थित रहे। सुंदरकांड पाठ पश्चात श्री रामलला की महाआरती की गई व प्रसाद वितरण किया गया।

बाबा साहब जयंती मनाई गई

माही की गूंज, पेटलावद।

भारत को एक सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी संविधान देकर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव रखी जिससे देश का हर नागरिक समान अधिकार के साथ अपने सपनों को साकार कर सके। ऐसे महान राष्ट्र सेवक भारत रत्न बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि वंदन। उक्त विचार बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती पर सामाजिक समरसता मातृशक्ति आयाम के द्वारा स्थानीय अंबेडकर बस्ती पेटलावद में बाबा साहब की जयंती के समारोह में अपने बौद्धिक में दिप्ती परमार ने प्रस्तुत किये। बाबा साहब एक महान विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री और समाज सुधारक के साथ वे एक प्रखर संस्कृतिवादी भी थे। भारतीयता से ओतप्रोत उनके विचार आज भी हम सबके लिए मार्गदर्शक सिद्धांत की तरह ही हैं। अखंड भारत के विचार को जीने और उसी के निमित्त अपना जीवन समर्पित करने वाले डा. आंबेडकर ने न केवल प्राण-प्राण से भारत विभाजन का विरोध किया अपितु वे यह आशा भी रखते थे कि, अंततः भारत अखंड होगा। बाबा साहेब ने कहा था ''मैं हिंदुस्तान से प्रेम करता हूं। मैं जीवित रहूंगा तो हिंदुस्तान के लिए और मरूंगा तो हिंदुस्तान के लिए।'' उनके अनुसार, जब तक सामाजिक समरसता का भाव पूर्णतः राष्ट्र में उत्पन्न नहीं होगा तब तक राष्ट्रवाद की स्थापना नहीं हो पाएगी। बाबा साहेब की जीवनी लिखने वाले सी.बी. खैरमोड़े ने बाबा साहेब के शब्दों को उद्दृत करते हुए लिखा है- मुझमें और सावरकर में इस प्रश्न पर न केवल सहमति है बल्कि सहयोग भी है कि, हिंदू समाज को एकजुट और संगठित किया जाए, और हिंदुओं को अन्य मजहबों के आक्रमणों से आत्मरक्षा के लिए तैयार किया जाए। इस अवसर पर सामाजिक समरसता मातृशक्ति आयाम जिला प्रमुख मोना मेहता, जिला सह प्रमुख देवबाला सोनी, नगर प्रमुख हेमलता बैरागी, मीडिया प्रभारी शिल्पा वर्मा, विनीता चतुर्वेदी, नेहा सामवेदी सहित सामाजिक समरसता मातृशक्ति आयाम के सभी सदस्यों के साथ बस्ती की कई मातृशक्तिपस्थित थी।

संपादकीय

जन-कसौटी पर भी खरे उतरें वायदे

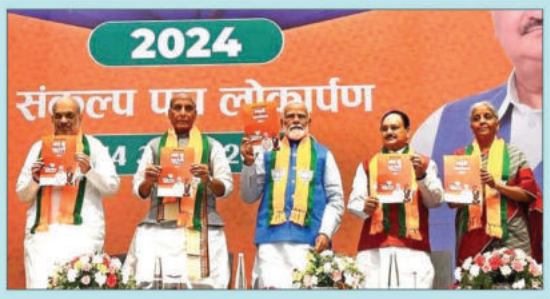

कांग्रेस द्वारा चुनावी घोषणा पत्र जारी करने के बाद अब सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अपना संकल्प पत्र जारी किया है। पार्टी ने वंचित समाज को केंद्र में रखकर डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को अपने संकल्प पत्र को जारी करने के दिन के रूप में चुना। संदेश देने का प्रयास किया कि, उसे देश के वंचित समाज के अहसासों की फिक्र है। दो कार्यकालों की रीति-नीतियों के अनुरूप अंदाजा लगाना कठिन न था कि, भाजपा के घोषणापत्र का खाका क्या होगा...? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि, पार्टी प्रधानमंत्री की छवि और पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों को लेकर चुनावी मैदान में है। इस घोषणापत्र में नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प की बानगी नजर आती है। ऐसे वक्त में जब पिछले कार्यकालों में भाजपा अपने दो मुख्य मुद्दों अनुच्छेद 370 हटाने व राममंदिर बनाने के वायदे को पूरा कर चुकी है तो जाहिर है नागरिक संहिता का मुद्दा उसकी प्राथमिकता में होना ही था। जो, इस घोषणा पत्र में विशेष रूप से उल्लेखित है। इसके अलावा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में एक देश एक चुनाव, गरीबों को पांच साल तक मुफ्त राशन, सत्तर वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा, तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना, पेपर लीक रोकने के लिए कड़ा कानून लाना, तीन करोड़ गरीबों को घर उपलब्ध कराना, बीस लाख तक का मुद्रा लोन उपलब्ध कराना, किसान निधि को जारी रखना आदि के वायदे किए हैं।

यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि, भाजपा ने 2019 के घोषणापत्र में भी यूसीसी, 60 वर्ष से अधिक के दुकानदारों व किसानों को पेंशन, एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसे वायदे किए थे। हालांकि, ऐसी तमाम योजनाओं को लेकर 'मोदी की गारंटी' का दावा पार्टी की तरफ से किया जाता रहा है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि, पार्टी किस हद तक अपने वायदों को हकीकत में बदल पाने में सक्षम होती है। जो उसे मिले जनादेश के आकार पर भी निर्भर करेगा।

बहरहाल, अब किसी दल का संकल्प पत्र हो या न्याय पत्र, इसमें किए गए वायदों की तार्किकता पर विचार किया जाना जरूरी है। हाल के वर्षों में राजनीतिक दलों ने वायदों के रूप में जितने जुमले उछाले हैं, उनसे जनता का लगातार मोहभंग होता रहा है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे संसाधन सीमित हैं। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था की सीमाओं के मद्देनजर ही राजनीतिक दलों को अपने वायदों को घोषणापत्र के रूप में सामने रखना चाहिए। देश की तरक्की मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से नहीं हो सकती। हमारी नीतियां देश में उत्पादकता बढ़ाने वाली होनी चाहिए। हम कमजोर वर्गों का ध्यान रखें और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने को प्राथमिकता बनाएं। सभी राजनीतिक दलों को देश की मुख्य समस्याओं बेरोजगारी, अशिक्षा, महंगाई दूर करने तथा स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाने पर जोर देना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बड़े सामाजिक वर्ग के लिये लायी जाने वाली बीमा योजना से लक्षित समाज के बजाय बीमा कंपनियां मालामाल होती रही हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में निजी चिकित्सालयों के लिये ये बीमा योजनाएं कामधेनु बन रही हैं। सभी राजनीतिक दलों को देश के प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों से लेकर प्राथमिक स्कूलों तक को सशक्त करने का प्रयास करना चाहिए। भारत विविधता की संस्कृति का देश है। सामाजिक समरसता के लिए जरूरी है कि जाति, धर्म व क्षेत्र से परे विकास के लक्ष्य तैयार किए जाएं। राजनीतिक दलों को इस युवाओं के देश के लिये ऐसी क्रांतिकारी योजनाएं लाने की जरूरत है जो हर हाथ को काम दे सके। आखिर क्यों हमारी युवा पीढ़ी में विदेश भागने की होड़ लगी है। हम उन्हें देश में अनुकूल शिक्षा व बेहतर रोजगार की स्थितियां उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें एजेंटों के माध्यम से लुटने-पिटने को मजबूर न होना पड़े। पर्यावरण का संकट हमारे देश के सामने लगातार चुनौती पैदा कर रहा है। जहरीली हवाएं जानलेवा साबित हो रही हैं। बेहतर हो कि राजनीतिक दल आम आदमी से जुड़े मुद्दों को अपने न्याय व संकल्प पत्रों में केंद्र में रखें।

चुनावी दौर में मस्क की यात्रा के यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

वर्ष 1995 में धातु विज्ञान स्नातक वांग चुआनफू ने 'बीवाईडी' की स्थापना की, एक छोटी चीनी कंपनी, जो जापानी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अधिक सस्ते में रिचार्जेबल निकल-कैडमियम बैटरी वाली कार बनाने पर केंद्रित थी। लगभग 30 साल बाद, शिएन-शान्शी और शेन्ज़ेन स्थित कंपनी 'बीवाईडी' इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की दुनिया की अग्रणी निर्माता बन गई है। टेस्ला की स्थापना 2003 में हुई थी। एलोन मस्क ने टेस्ला, स्पेस एक्स, न्यूरालिंक और द बोरिंग जैसी कंपनियों की स्थापना की। वर्ष 2023 की आखिरी तिमाही में चीनी कंपनी 'बीवाईडी' ने प्योर-प्ले इलेक्ट्रिक कारों की वैश्विक बिक्री में अमेरिकी दिग्गज टेस्ला (टीएसएलए) को भी पीछे छोड़ दिया था। दोनों कंपनियों में रेस अब भी चल रही है। टेस्ला ने 2024 की पहली तिमाही में अपना ताज फ़िर से हासिल कर लिया है। टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क पीएम मोदी से मिलने दिल्ली आ रहे हैं। आम चुनाव के समय मस्क का मोदी से मिलना मानीखेज़ है।

जून, 2010 में सूचीबद्ध होने पर टेस्ला स्टॉक की कीमत 17 डॉलर प्रति शेयर थी। अब टेस्ला के शेयर 166 डॉलर पार कर चुके हैं। आज की तारीख में टेस्ला 560 अरब डॉलर के मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के साथ दुनिया की दिग्गज कार कंपनियों में से एक बन चुकी है। लंदन की डेटा और एनालिटिक्स कंपनी 'ग्लोबलडेटा' के बिजनेस फंडामेंटल विश्लेषक मूर्ति गांधी के अनुसार, 'जहां तक बीवाईडी का सवाल है, इसकी 81 बिलियन डॉलर की मार्केट कैप इसे दुनिया के शीर्ष 10 वाहन निर्माताओं में से एक बनाती है। फिर भी, यह टेस्ला और टोयोटा (टीएम) और स्टेलेंटिस (एसटीएलए) जैसे अन्य कार निर्माताओं से काफी पीछे है, जो फ्रेंच पीएसए ग्रुप और फिएट क्रिसलर ऑटोमोबाइल्स के 2021 विलय से बना समूह है। यह समूह 14 ब्रांडों के तहत कारें बेचता है, जिनमें क्रिसलर, सिट्रोएन, जीप, मासेराती और प्यूज़ो शामिल हैं।' 2023 में, टेस्ला ने बीवाईडी की तुलना में लगभग 230,000 अधिक कारें बेचीं। फिर भी बीवाईडी की प्रतिस्पर्धी क़ीमत ने टेस्ला की महंगी कारों की लकीर छोटी कर रखी है।

बीवाईडी ने रणनीति बदली है। 4 मार्च, 2024 को अपने सबसे पॉपुलर मॉडलों में से एक, 'युआन प्लस क्रॉसओवर' का एक नया संस्करण लॉन्च किया, जिसे चीन के बाहर 'एट्टो 3' के नाम से जाना जाता है, उसकी कीमत 11 प्रतिशत घटाकर 119,800 युआन कर दी। बीवाईडी ने अपनी सबसे किफ़ायती कार, 'सीगल' को भी 5 प्रतिशत सस्ता किया। हालांकि टेस्ला ने भी पिछले साल चीन में कुछ मॉडलों की कीमतों में कटौती की थी, लेकिन वो बीवाईडी से सस्ती कारें नहीं बेच पाई।

यूके स्थित कंसल्टेंसी फर्म 'रो मोशन' के अनुसार, 'अमेरिका के बाद चीन, टेस्ला का सबसे बड़ा बाज़ार है। एलोन मस्क की कंपनी टेस्ला ने 2019 में अपने शंघाई गीगाफैक्टरी में उत्पादन शुरू किया, जहां से 947,000 कारों की डिलीवरी की। बीवाईडी अमेरिका में अपनी कारें नहीं बेचता है, हालांकि कैलिफ़ोर्निया में बीवाईडी ने

बस बनाने की फैक्टरी लगा रखी है। टेस्ला और बीवाईडी दोनों अपने घरेलू बाजारों में विस्तार कर रहे हैं, साथ ही विदेशों में कारखाने लगा रहे हैं।

वर्ष 2023 में दुनियाभर में कुल 13.6 मिलियन ईवी (बीईवी और हाइब्रिड सहित) बेचे गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। बीवाईडी ने 2023 में वैश्विक स्तर पर हाइब्रिड सहित लगभग 3 मिलियन इलेक्ट्रिक कारें बेचीं। अमेरिका और कनाडा ने टेस्ला के लगभग सात लाख वाहन खरीदे, जबकि उसके छह लाख वाहन चीन में बेचे गए। यूरोपीय देशों में टेस्ला की बिक्री में लगभग चार लाख वाहन शामिल थे। बावजूद इसके, इस साल टेस्ला के शेयर 29 प्रतिशत नीचे हैं, जबकि बीवाईडी स्टॉक लगभग 6 फीसद डाउन है।

वर्ष 2023 में भारत में कुल कार बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी सिर्फ 2 प्रतिशत थी। मोदी सरकार 2030 तक 30 प्रतिशत ईवी की हिस्सेदारी का लक्ष्य रख रही है। टेस्ला ने इस साल के अंत में भारत में निर्यात के लिए अपने जर्मन प्लांट में राइट-हैंड ड्राइव कारों का उत्पादन भी शुरू कर दिया है। लेकिन टेस्ला का लक्ष्य है कि उसे भारत में कार फैक्टरी लगानी है, दो अरब डॉलर का निवेश भी करना है। रोज़गार मिलते हैं, तो निश्चित रूप से श्रेय मोदी सरकार को जायेगा। मस्क ने इस सप्ताह एक्स पर कहा था, 'भारत में इलेक्ट्रिक कारें होनी चाहिए, उतनी ही जितनी कि हर दूसरे देश में इलेक्ट्रिक कारें हैं।'

लेकिन कहानी एक कार कंपनी के विस्तार तक सीमित नहीं है। एलोन मस्क 'न्यूरालिंक' के सीईओ भी हैं, जो मानव मस्तिष्क को कंप्यूटर से जोड़ने के लिए अल्ट्रा-हाई बैंडविड्थ ब्रेन-मशीन इंटरफेस विकसित कर रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी यह तकनीक चुनाव में किसी भी खेल को आगे बढ़ाने में सक्षम है। यूरोपीय संघ ने एलोन मस्क के इरादों को भांपकर ही उससे दूरी बनानी शुरू कर दी थी।

यूरोपीय संघ एलोन मस्क के स्टारलिंक उपग्रह प्रणाली के वर्चस्व पर अंकुश लगाना चाहता है। चुनांचे, यूरोपीय संघ 'आईआरआईएस' नामक संचार उपग्रहों के एक नए समूह के निर्माण और संचालन के लिए अरबों यूरो के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है। एलोन मस्क यूरोपीय संघ की नज़र में अविश्वसनीय और विवादित शख्सियत हैं। ईयू ने स्पष्ट किया कि एक्स के माध्यम से एलोन मस्क ने ग़लत-सलत खबरें प्लांट कर, यूरोपीय देशों में चुनावों को प्रभावित करने की चेष्टा की थी। ब्राज़ील में भी कुछ ऐसा ही खेल एलोन मस्क कर चुके हैं। 1 जून, 2023 को, सेंटर फॉर काउंटरिंग डिजिटल हेट (सीसीडीएच) ने बताया कि एक्स, जिसे पहले ट्विटर नाम दिया गया था, ग्राहकों द्वारा पोस्ट की गई 99 प्रतिशत नफरत वाले संदेशों के विरुद्ध कार्रवाई में विफल रहा है।

7 अप्रैल, 2024 को ब्राज़ील की सुप्रीम कोर्ट ने एक्स पर फ़र्जी सूचनाएं प्लांट करने के आरोप में एलोन मस्क को लपेटा है। जस्टिस अलेक्जेंड्रे जे मोरेस ने एक्स के बहुतेरे पॉपुलर अकाउंट्स को बंद करने के आदेश दिए। लेकिन एलोन मस्क ने स्वयं को ब्राज़ील की सुप्रीम कोर्ट से बड़ा समझने की ताव में ताबड़तोड़ पोस्ट एक्स पर डाले- 'इस न्यायाधीश ने ब्राज़ील के संविधान और लोगों के साथ निर्लज्जतापूर्वक और बार-बार विश्वासघात किया है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, या उन पर महाभियोग चलाया जाना चाहिए. शर्म करो अलेक्जेंड्रे, शर्म करो।'

सवाल यह है, एलोन मस्क चुनावी माहौल में भारत क्यों आ रहे हैं? एक्स की जो भूमिका यूरोपीय देशों और ब्राज़ील में रही, उस पर सवाल उठे हैं। क्या टेस्ला के कारोबार में लाभ के लिए सत्ताधीशों को एक्स के जरिये मदद होती है। ऐसे अनेक यक्ष प्रश्न हैं।

जीवन की हर डगर पर खेला ही खेला

आलोक पुराणिक

हाल में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के कुछ ऐसे नौजवानों से मुलाकात की, जिन्होंने कई सारे गेम्स डेवलप किये हैं। यह देखकर स्मार्ट विश्वविद्यालय ने गेम्स पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त निबंध इस प्रकार है:-

गेम्स का हमारी लाइफ में घणा महत्व है। हम लोग दरअसल गेम्स ही कर रहे होते हैं। बॉस कर्मचारियों के साथ गेम्स करता है। कर्मचारी बॉस के साथ गेम्स कर रहे होते हैं। पति पत्नी के साथ गेम्स करता है। पत्नी पति के साथ गेम्स करती है। टीवी पर दिखाये जाने वाले धारावाहिक भी गेम्स ही हैं। गेम्स में पॉलिटिक्स का गहरा महत्व है। गेम्स के लिए जो संस्थाएं बनायी जाती हैं, उनमें टॉप पोजीशन पर नेता ही बैठे होते हैं। यानी पॉलिटिक्स के बगैर कोई गेम पूरा न होता या यूं भी कह सकते हैं कि पॉलिटिक्स से ज्यादा बड़ा गेम कोई है ही नहीं।

गेम्स को समझना बहुत जरूरी है। हर दफ्तर में तरह-तरह के गेम्स होते हैं। जो सीधे-सादे बंदे गेम्स नहीं समझ पाते, उनके साथ गेम हो जाता है। बालीवुड में कोई मरता है, तो मुंबइया भाषा में इसे कहते हैं कि उसका गेम बजा दिया गया।

गेम्स कई तरह के होते हैं। गेम्स सबसे ज्यादा पॉलिटिक्स में होते हैं। इन दिनों तरह-तरह के गेम्स चल रहे हैं। घर वापसी यह एक गेम का नाम हो सकता है। इस गेम में यह होगा कि नीतीश कुमार जैसा एक कैरेक्टर दौड़ता दिखाई देगा, एक घर से निकल कर दूसरे घर में जायेगा। फिर वहां से लौट कर फिर पुराने घर में आयेगा। गेम यह है कि दो प्लेयर खेलेंगे, दो मिनट का वक्त रहेगा, जिसके गेम में ज्यादा बार घर वापसी हो जायेगी, उसे जीता हुआ माना जायेगा।

एक और गेम होगा- खींच के लाओ- इसमें दो प्लेयर खेलेंगे। सामने बहुत भीड़ लगी है, प्लेयर का चैलेंज यह है कि उसे भीड़ में से बंदे खींचकर लाने हैं और उन्हें अपने बॉक्स में डालना है। खींच के लाओ की जगह खींच के मानूंगा भी गेम का नाम हो सकता है। आ जा मेरे बॉक्स में बैठ जा-यह नाम भी हो सकता है गेम का।

एक और गेम होगा- निकला कहीं, पहुंचा कहीं। इस गेम में दो प्लेयर होंगे और सड़क पर चलने वाले राहगीरों को ठेलकर दूसरे रास्ते पर ले जाने की कोशिश करेंगे। राहगीर आसानी से दूसरे रास्ते पर जाने को तैयार न होंगे। प्लेयर की कुशलता इसी में होगी कि वो राहगीर को दूसरे ठिकाने पर लेकर जायेंगे। जो प्लेयर जितने ज्यादा प्लेयरों को दूसरे ठिकाने पर ले जायेगा, वह प्लेयर उतना ही ज्यादा कामयाब माना जायेगा।

बेरूखी छोड़कर किसानों की सुनवाई करे हुकूमत

पंजाब और हरियाणा में, जो किसानों के विरोध का केंद्र है, आंदोलित किसान गांवों में सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवारों के प्रवेश को रोक रहे हैं, जिससे भाजपा उम्मीदवारों को वोट मांगने में मुश्किल पैदा हो रही है। वे अक्सर कहते हैं- 'अगर आपने नई दिल्ली जाने का हमारा रास्ता रोका, तो हम अपने गांवों में आपकी एंट्री रोक देंगे।'

इतना ही नहीं, हरियाणा में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार बनाने वाली जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की माता नैना चौटाला ने किसानों से गुजारिश की कि उन्हें उनके बेटे के गांवों में प्रवेश को नहीं रोकना चाहिए। वहीं उन्होंने किसानों से कहा, 'भाजपा राज्य और केंद्र दोनों में सत्ता पर काबिज है। इसके अलावा, दुष्यंत ने लगातार कृषक समुदाय की वकालत की है, यहां तक कि हिसार से सांसद के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी।' साथ ही नैना चौटाला ने मसले को हल करने के लिए बातचीत में शामिल होने के लिए उनका स्वागत किया। हिसार के नारा, गामरा, खानपुर और सिंधर गांवों में प्रचार करने पहुंचे दुष्यंत चौटाला को किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भाजपा के हिसार से उम्मीदवार रणजीत सिंह चौटाला को किसानों के एक समूह से भिड़ने के बाद एक गांव में एक सभा बीच में ही छोड़नी पड़ी और चुनाव संबंधी एक अन्य कार्यक्रम भी रद्द करना पड़ा। सिरसा से चुनाव लड़ रहे अशोक तंवर को भी अपने प्रचार के दौरान किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ा है।

बीजेपी सांसद और रोहतक से उम्मीदवार अरविंद शर्मा को कोसली विधानसभा क्षेत्र के एक गांव से कार्यक्रम छोड़कर जाना पड़ा क्योंकि स्थानीय लोगों ने उनकी बात सुनने से इनकार कर दिया। उनके दौरों के कई वीडियो में दिखाया गया है कि किस तरह से ग्रामीणों ने नेताओं के साथ धक्का-मुक्की और कटाक्ष किये, जिसके बाद तीखी नोकझोंक हुई और कई स्थानों पर उम्मीदवारों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। मिसाल के तौर पर, सोनीपत से उम्मीदवार मोहन लाल बडोली को जींद जिले में कुछ स्थानों पर इसी तरह का विरोध झेलना पड़ा। वहीं वीडियो क्लिप से पता चलता है कि कैसे गुस्साए किसानों की रणजीत चौटाला के साथ तीखी बहस हुई। कई नेताओं ने तो ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के उन गांवों को नजरअंदाज कर दिया जहां उन्हें विरोध होने का डर है।

पड़ोसी पंजाब में, भाजपा उम्मीदवार हंस राज हंस को बठिंडा के पास रामपुरा फूल में किसानों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। जहां पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए बैरियर लगाए थे, वहीं पुलिस के साथ झड़प हो गई। इसी तरह पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह की पत्नी प्रणीत कौर को भी किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा। अमेरिका में पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू, जो अब अमृतसर सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, को भी अपने चुनाव अभियान के दौरान नारेबाजी करने वाले किसानों का सामना करना पड़ा। वास्तव में, समाचार रिपोर्टों में कहा गया है कि किसानों ने करीब 60 गांवों में भाजपा उम्मीदवारों के प्रवेश को रोक दिया है। किसान नेताओं का कहना है कि उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से उन वायदों के बारे में सवाल करने को कहा है जो अधूरे रह गए। उनका दावा है कि इस तरह के विरोध प्रदर्शन पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों और कुछ हद तक राजस्थान में हो रहे हैं। कई गांवों में तो भाजपा प्रत्याशियों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बोर्ड लग गए हैं।

जहां भाजपा इन विरोध प्रदर्शनों के आयोजन के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी यानी आप को जिम्मेदार ठहरा रही है, वहीं आप उम्मीदवारों को भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। फसल में हुए नुकसान का मुआवजा न मिलने पर किसान आम आदमी पार्टी के बठिंडा शहरी विधायक के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। जबकि भाजपा इन विरोध प्रदर्शनों को कमतर आंक रही है, लेकिन उसे चिंता हो रही है कि यहां बन रही खिलाफत की गति यदि इन विरोध प्रदर्शनों को अन्य राज्यों तक फैलाती है, तो क्या यह सत्तारूढ़ पार्टी की जीत की संभावनाओं को रोकने में मददगार बनेगी।

किसी भी हालत में, भारती किसान यूनियन (बीकेयू) के विभिन्न गुटों ने, जिन्होंने 2020-21 में नई दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, जिसके परिणामस्वरूप तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लिया गया था, उन्होंने किसानों से उम्मीदवारों का विरोध करने की अपील की है। वे उनके द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों के जवाब मांग रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने पंजाब के किसानों से भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के समक्ष सवाल उठाने की अपील की है।

सबको मालूम है कि कृषि क्षेत्र लगातार गहरा रहे खेती के संकट से जूझ रहा है। लेकिन किसानों का गुस्सा काफी हद तक काहिली और निष्ठुरता के परिणामस्वरूप पैदा उदासीनता को लेकर है। हर चुनाव दृ चाहे राज्य स्तर पर हो या केंद्र स्तर पर दृ किसानों को लुभाने के लिए बहुत सारे वादे किए जाते हैं। साल 2014 में, यह आम तौर पर स्वीकार किया जाता है कि जब नरेंद्र मोदी ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने का वादा किया था, तो किसानों ने भाजपा के पक्ष में भारी मतदान किया था। उन्होंने स्वामीनाथन आयोग द्वारा सुझाए गए एमएसपी नुस्खे का पालन करने की आवश्यकता पर स्पष्ट रूप से बात की थी। लेकिन, किसान यूनियनों का कहना है कि एक बार सत्ता में आने के बाद, सरकार ने वास्तव में सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया था जिसमें कहा गया कि एमएसपी को कानूनी बनाना संभव नहीं है क्योंकि यह बाजारों की व्यवस्था बिगाड़ देगा। जिस तरह से तीन कथित 'काले' कृषि कानून पेश किए गए और फिर संसद के जरिये पारित किए गए, उससे भी किसान समुदाय नाराज है। लंबे समय तक चले विरोध के बाद आखिरकार कानूनों को वापस ले लिया गया। लेकिन अभी भी पिछले दरवाजे से इन कानूनों को वापस लाने की कोशिश की जा रही है। इससे भी बदतर, नई दिल्ली तक किसानों के मार्च को रोकने के लिए हाईवे की किलेबंदी के हालिया प्रयास, और आंदोलनकारी किसानों पर आंसू गैस के गोले फेंकने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने से किसानों की पीड़ा बढ़ गयी है। गांवों में नेताओं की एंट्री रोककर किसान समूहों द्वारा की गयी प्रतिक्रिया उनके साथ हो रहे अनुचित व्यवहार पर बढ़ते आक्रोश का प्रतिबिंब है। जबकि चुनाव प्रचार अभियान के लिए आने वाले उम्मीदवारों से सवाल करना एक वैध लोकतांत्रिक तरीका है लेकिन इसके लिए बलप्रयोग का निश्चित तौर पर समर्थन नहीं करना चाहिये। किसानों को ही अकेले दोषी नहीं ठहराया जा सकता है जब सरकार ने भी जुलूस के रूप में नयी दिल्ली जा रहे किसानों के रास्ते में बैरिकेड लगा दिये थे।

देविंदर शर्मा

यह केवल भारत में ही है कि किसानों को हरियाणा के बॉर्डर्स पर बलपूर्वक रोका गया जबकि यूरोप के 24 देशों में आंदोलनरत किसानों को राजधानियों तक बिना किसी रोक-टोक जाने की अनुमति दी गयी। किसानों द्वारा आधिकारिक इमारतों पर खाद बिखेरने और हाईवे पर कीचड़ डालने के बावजूद किसी जगह उन पर पुलिस बर्बरता करती नजर नहीं आई। यहां तक कि यूरोप में देश के प्रमुख भी आंदोलनकारी किसानों से मिले और सार्वजनिक तौर पर कहा कि किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है, सुने जाने का हक है। यूरोपियन कमीशन ने असके उपरांत उन पर्यावरणीय नियमों में बदलाव किये जिनके किसान खास तौर से खफा थे। फ्रांस समेत कई देश किसानों को न्यूनतम कीमत प्रदान कराने की संभावनाएं जांच रहे हैं जिससे नीचे कोई लेन-देन नहीं होगा।

भारत में भी किसानों की सुनवाई करने की आवश्यकता है। केवल किसान समुदाय के विरोध में मौजूद राजनीतिक उदासीनता की वजह से उनसे फासला बनाकर नहीं रखा जा सकता है। किसान एक गारंटीशुदा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहे हैं और ऐसा करने के लिए एक मैकेनिज्म विकसित करने की जरूरत है। आखिरकार, कितनी देर तक हम किसानों को संरचना के निचले तल पर रख सकते हैं।

रिहायशी इलाके में दिखा तेंदूआ, चार दिन तक घर से बाहर नहीं निकले लोग

माही की गूंज, रतलाम।

जंगल से लगे इलाकों में जंगली जानवरों का सामने आना आम बात होती है। लेकिन, पिछले कुछ समय से रतलाम इलाके में लोग अपने घर से बाहर भी नहीं निकल रहे हैं। असल में, इस इलाके में तेंदुए लोगों के लिए सिरदर्द बन चुके हैं। रतलाम के सैलाना क्षेत्र में एक बार फिर से तेंदुए के मूवमेंट से ग्रामीण दहशत में है। इस क्षेत्र में तेंदुआ लगातार मवेशियों को अपना शिकार बन रहा हैं। तेंदुआ बीते चार दिनों से बयाटोंक गांव सहित आसपास के इलाके में बहुत सक्रिय है। वन विभाग के अधिकारियों ने तेंदुए को पकड़ने के लिए उज्जैन से एक्सपर्ट की टीम बुलाई है।

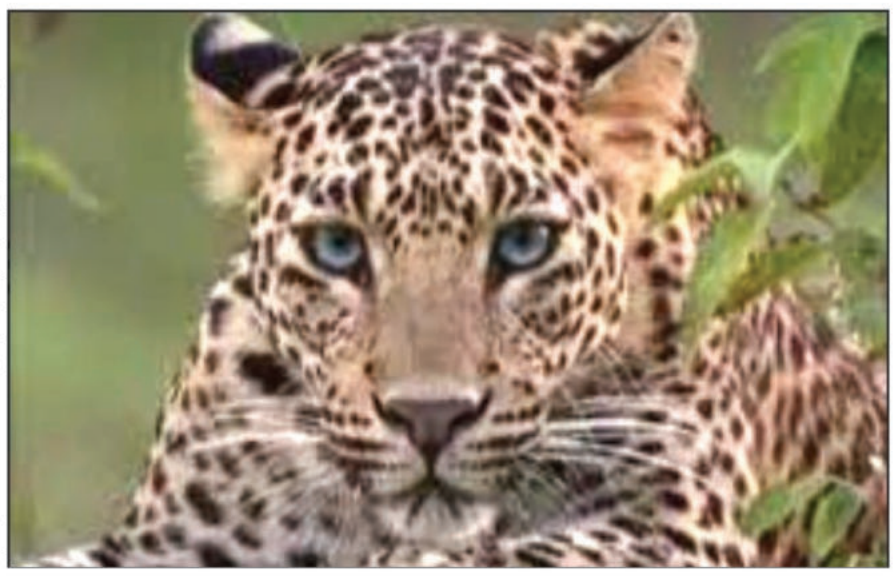

मवेशियों का कर रहे हैं शिकार

रतलाम के सैलाना क्षेत्र में ग्रामीण बहुत खौफ में हैं। इस इलाके में तेंदुआ बीते कई दिनों से बयाटोंक गांव सहित आसपास के इलाके में बहुत सक्रिय नजर आ रहे है। तेंदुआ इस क्षेत्र में मवेशियों का शिकार करने के लिए आते हैं। इसी वजह से पिछले चार दिनों से ग्रामीण आपने घरों में बाहर भी निकल रहे हैं। तेंदुए के एक्टिव मूवमेंट को देखते हुए वन विभाग के उज्जैन से खास एक्सपर्ट की टीम भी बुलाई है। साथ ही मूवमेंट वाले क्षेत्र में पिंजरा भी लगाया गया है। असल में यह क्षेत्र जंगल से लगा हुआ है। इसी वजह से तेंदुओं की मूवमेंट यहां ज्यादा सक्रिय देखने को मिल रही है।

इससे पहले भी एक्टिव रहे हैं तेंदुए

गौरतलब है कि, इससे पहले भी सैलाना के पास के एक खेत में मुर्गी पकड़ने के चक्कर में एक तेंदुआ कुएं में गिर गया था, जिसे रेस्क्यू करके देवास में छोड़ा गया था। इससे पहले सैलाना और पिपलोदा कस्बों के घरों में घुसे तेंदुए पकड़े जा चुके हैं। अब एक बार फिर सैलाना क्षेत्र में इस खूंखार जानवर के मूवमेंट ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी हैं। वहीं, वन विभाग का अमला तेंदुए को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

नाबालिक बेटी को धमका कर पिता ने तीन दिन तक किया दुष्कर्म, दादी ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

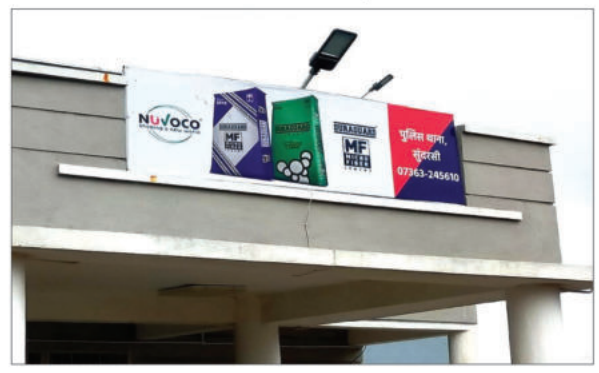

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के सुंदरसी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत में एक पिता ने पिता-पुत्री के रिश्ते को तार-तार कर दिया। इस कलयुगी पिता ने अपनी नाबालिक बालिका से करीब 3 दिन तक लगातार बलात्कार किया। बलात्कार की जानकारी जब नाबालिक बालिका ने अपने दादा-दादी को दी, तब दादा-दादी के साथ नाबालिक बालिका अपने पिता के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज करवाने सुन्दरसी पुलिस थाना पहुंची। जहां उसने अपने पिता द्वारा की गई करतूत की खौफनाक दास्तान पुलिस के सामने रखी और पिता के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुन्दरसी पुलिस थाना क्षेत्र के एक कलयुगी पिता ने अपनी ही नाबालिक बेटी को जबरदस्ती घर बुलाकर उसके साथ बलात्कार किया। नाबालिक बालिका ने अपने बयान में बताया कि, वह 14 अप्रैल को दोपहर में घर के बाहर झाड़ू लगा रही थी तभी उसके पिता घर आए और उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। अगले दिन फिर पिता ने इसी तरह की हरकत की, वहीं तीसरे दिन भी पिता ने अपनी बेटी के साथ कुकर्म किया। साथ ही बालिका ने बताया कि, उसके पिता अलग घर में रहते हैं और वह अपने दादा-दादी के साथ दूसरे घर में रहती हैं। वह किसी काम से घर आए थे तब दादा-दादी बाहर गए हुए थे तब उन्होंने उसके साथ यह घिनौना काम किया।जब इस मामले की जानकारी नाबालिक बालिका ने अपने दादा-दादी को दी तो वह भी भौचक्के रह गए और नाबालिक को लेकर वह थाना पहुंचे और नाबालिक बालिका के पिता के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। वहीं बालिका ने अपने साथ हुई खौफनाक दस्ता को भी पुलिस के सामने रखा जिस पर पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर पिता के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया हैं। पुलिस आरोपी पिता की तलाश कर रही हैं।

मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम, अनुपस्थित मिले शिक्षक

माही की गूंज, मंदसौर।

लोक सभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर निर्वाचन की मूलभूत एवं आवश्यक तैयारियां प्रशासन के द्वारा निर्वाचन आयोग के चुनाव कैलेंडर के अनुसार तैयारी की जा रही है।

इसी संदर्भ में मल्हारगढ अनुविभागीय अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी राहुल चौहान ने पिपलियामंडी के सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया जिसमें आदर्श मतदान केंद्र, पिंक पोलिंग स्टेशन और पीडब्ल्यूडी मतदानकेंद्रों का निरीक्षण किया गया।

जिला कलेक्टर के निर्देश पर

प्रत्येक मतदान केंद्रों का लेआउट बनाया जाना है जिससे की मतदान दिवस पर मतदान दल को कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े। एसडीएम ने निरीक्षण में सीएमओ पिपलियामंडी को आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं। एसडीएम ने शाबाउमा विद्यालय का निरीक्षण किया। जहाँ पर शिक्षक रमेशचन्द्र जाटव, नीरज सोनी और गोपालचंद्र कछावा बिना बताये अनुपस्थित मिले, जिनकी सूचना ना तो खंड शिक्षा अधिकारी प्राचार्य और ना ही सहायक रिटर्निंग अधिकारी को दी गई। एसडीएम ने कार्यवाही कर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए है और बीईओं को प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिये हैं।

मल्हारगढ एसडीएम राहुल चौहान ने बताया कि, पिपलियामंडी के मतदान केन्द्रों का निरिक्षण किया जहां पर तो सब व्यवस्थाएं ठीक लगी एक स्कूल का निरीक्षण किया। जहां कुछ शिक्षक बिना बताए अनुपस्थित मिलें उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किये हैं।

गांजा तस्करी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, कालापीपल।

पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत द्वारा लगातार क्षेत्र में सकिय अवैध मादक पदार्थ के धंधे करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाही के निर्देश दिये जा रहे थे। इसी तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल एसडीओपी शुजालपुर पिंटू कुमार बघेल शुजालपुर के निर्देशन में थाना क्षेत्र मे अवैध मादक पदार्थ के धंधे करने वाले अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु एवं कार्यवाही हेतु कालापीपल थाना प्रभारी मनोहर सिंह जगत के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। थाना कालापीपल पुलिस को मुखबिर द्वारा सुचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति भैसाया गढ़ा गांव से भेसाया गढा जोड तरफ एक प्लास्टिक के झोले में गांजा लेकर जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर कालापीपल पुलिस द्वारा से भेसाया गढ़ा जोड पर पहुच कर देखा की एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। जो पुलिस को देखकर डड़वड़ा कर भागने लगे। जिसे फोर्स व पंचान की मदद से पकड़ा। जिसके नाम पता पूछते उसने अपना नाम ठाकुर

प्रसाद पिता देवीसिंह मेवाडा (55) निवासी भेसाया गढा का होना बताया। जिससे प्राप्त मुखबीर सूचना के संबंध में पुछताछ की गयी व आधिपत्य वाले प्लास्टिक के झोले की तलाशी ली गयी। जिसमें अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया। उक्त गांजा का वजन करते 2 किलो ग्राम निकला जो कीमती करीबन 40 हजार रूपये के जप्त किये गये। उक्त कार्य मे थाना प्रभारी थाना कालापीपल निरीक्षक मनोहर सिंह जगेत उप निरीक्षक रवि भण्डारी प्राआर विवेक गोस्वामी, विशाल पटेल, करण वर्मा आरक्षक वेदप्रकाश परमार, नयन यादूव शिवपाल, सुमित पटेल का योगदान रहा।

पत्रकार से दुर्व्यवहार के मामले में एसपी को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, शाजापुर।

पत्रकारों के साथ बढ़ते दुर्व्यवहार को लेकर समय-समय पर दर्जनों संगठनों के द्वारा प्रदेश सरकार को सुरक्षा कानून को लेकर ज्ञापन सौंपे जाते है। सिस्टम में बैठे राजनेताओं के द्वारा मंचों से पत्रकार की सुरक्षा की बात जरूर कही जाती है पर धरातल पर पत्रकार के साथ में दूरव्यवहार होता हुआ दिखाई दे रहा है। दरअसल मामला इस प्रकार है कि, थाना सुंदरसी में पदस्थ आरक्षक पप्पू जाट द्वारा पत्रकार असलम शाह के साथ कवरेज के समय दुर्व्यवहार किया गया। इस दुर्व्यहवार को लेकर सभी पत्रकार जनों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया। घटना 13 अप्रैल की है, जिसमें पत्रकार असलम शाह थाना सुंदरसी में किसी कार्य को लेकर कवरेज करने गए थे। उसी दौरान उनके पास आरक्षक पप्पू जाट ने आकर दुर्व्यवहार किया एवं अभद्रता पूर्ण रवैया अपनाया तथा थाने से बाहर निकल जाने को कहा। इसी बात को लेकर पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत को पत्रकार जनों ने ज्ञापन दिया, जिस पर एसपी ने शीघ्र ही बेरछा एसडीओपी को जांच के आदेश दिए है।

दुर्गा नवमी के अवसर पर निकली यात्रा, मां दुर्गा के दरबार में अर्पित की चुनरी

माही की गूंज, शुजालपुर। चैत्र नवरात्र पर्व में प्रतिदिन जीवन रामधुन समिति द्वारा शहर के अलग-अलग मंदिरों में जाकर माता प्रतिमाओं पर चुनरी अर्पित की गई। बुधवार सुबह 6 बजे नवमी तिथि पर मंडी स्थित श्री गणेश मंदिर से प्रारंभ हुई चुनरी यात्रा बस स्टैंड के समीप मां दुर्गा दरबार में पहुंची। यहां चुनरी अर्पित कर यात्रा में शामिल महिलाओं व पुरुषों ने माता की आरती की।

इससे पूर्व जीवन रामधुन समिति के सदस्यों द्वारा ग्राम जामनेर के मां महिषासुर मर्दिनी माता मंदिर में भी पहुंचकर करीब 10 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा कर चुनरी अर्पित की थी। मंगलवार 16 अप्रैल को यह यात्रा श्री केला देवी मंदिर बस स्टैंड शुजालपुर मंडी पहुंची थी और यहां पर चुनरी यात्रा, श्रृंगार भोग व महा आरती का आयोजन हुआ था।

बुधवार को सुबह 5 बजे से ही मार्केटिंग रोड स्थित श्री गणेश मंदिर परिसर में महिलाओं व पुरुषों की भीड़ जुटना शुरू हुई। भगवान गणेश की स्तुति व दर्शन के साथ शुरू हुई चुनरी यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं माता को अर्पित की जाने वाली चुनरी शिरोधार्य कर शहर के मुख्य मार्ग से निकली।

यह यात्रा गणेश मंदिर मार्ग से प्रारंभ होकर लोहिया मार्ग, इंदिरा चौक, रोकडिया हनुमान मंदिर चौक, टेंपो चौराहा, महात्मा गांधी मार्ग, पुलिस चौकी चौराहा, बस स्टैंड होते हुए दुर्गा दरबार पहुंची। यात्रा में शामिल सभी लोग माता के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

शिक्षक के सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

माही की गूंज, शुजालपुर।

शहर के सिटी मंडी फोरलेन मार्ग स्थित चित्रांश नगर गली नंबर 2 में रात बदमाशों ने एक शिक्षक के सूने घर को निशाना बनाया। बदमाश घर में रखी नकदी व आभूषण सहित 8 लाख रुपए की चोरी कर फरार हो गए। रात में वारदात को अंजाम देने के बाद दो बदमाश गली से बैग ले जाते सीसीटीवी कैमरे में नजर आए है। घटनास्थल से एक पर्ची मिली है इस पर मोबाइल नंबर लिखा है। जिला मुख्यालय से आई फॉरेंसिक टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। हालांकि उन्हें संदिग्ध फिंगर प्रिंट नहीं मिले। शिक्षक स्वदेश कुमार पाठक परिवार सहित शनिवार सुबह उज्जैन गए थे। रविवार सुबह पाठक के निवास पर काम करने वाली महिला आई तो चैनल और दरवाजों के ताले टूटे थे। इस पर चोरी होने की जानकारी लगी। बदमाश घर से 4 लाख रुपए नकदी सहित लगभग डेढ़ किलो चांदी के जेवर, सोने के दो सिक्के, एक मंगलसूत्र, सोने की अंगूठी सहित 8 लाख का सामान चुरा ले गए। बदमाश चोरी करने के बाद दो बैग ले जाते हुए गली के एक निवास पर लगे सीसीटीवी कैमरे में नजर आए। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

सारा तेंदुलकर मां अंजलि के साथ अचानक पहुंचीं एमपी के इस गांव

सीहोर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की धर्मपत्नी अंजलि तेंदुलकर अपनी बेटी सारा तेंदुलकर के साथ अचानक मध्य प्रदेश के सीहोर जिले पहुंचीं। जामुन झील और सेवनिया कुटीर के आदिवासी ग्रामीणों ने अपने अंदाज में ढोल नगाड़े बजाकर मुंबई से आए मेहमानों का स्वागत किया। अंजलि तेंदुलकर और सारा तेंदुलकर मुंबई से अपनी टीम के साथ सीहोर जिले में संचालित सेवा कुटीर आई थीं। उनका यह दौरा बेहद गोपनीय था। पुलिस-प्रशासन तक को इसकी भनक नहीं थी।

अंजलि और सारा का आदिवासी ग्रामीणों ने अपने अनूठे अंदाज में दोनों का भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के बीच आदिवासियों ने तीर कमान सारा के हाथों में दिए। इसके बाद कुटीर में पढ़ने वाले बच्चों से सारा और अंजलि ने बातचीत की और व्यवस्थाओं को देखा।

दरअसल, सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन ने सीहोर जिले में नयापुरा, खापा, बेलपाटी, जामुनझील और सेवनिया कुटीरों को गोद लिया है। इसमें 3 साल से लेकर 15 साल तक के बच्चों की पढ़ाई, भोजन, सहित सभी व्यवस्थाएं की जाती हैं। इससे पहले नवंबर 2021 में सचिन तेंदुलकर यहां पर पहुंचे थे। अब उनकी धर्मपत्नी और बेटी पहुंचीं।

हाथ पर पति की गर्लफ्रेंड का नाम लिख पत्नी ने कर लिया सुसाइड

इंदौर।

मध्य प्रदेश के इंदौर में एक बार फिर अपने पति की कथित 'अवैध संबंध' वाली प्रेम कहानी से परेशान होकर एक पत्नी ने आत्महत्या कर ली। मरने से पहले मृतका ने अपने हाथ पर सुसाइड नोट लिख छोड़ा है, जिसमें उसने अपने पति की गर्लफ्रेंड का नाम का भी खुलासा किया है। पुलिस ने मृतक महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले जी जांच शुरू कर दी है।

आत्महत्या किए जाने से पहले महिला द्वारा पहले हाथ पर पूरा सुसाइड नोट लिखा गया। इसमें उसने अपने पति की प्रेमिका के नाम के साथ यह भी लिख दिया है कि मेरी मौत की जिम्मेदारी यही है। पुलिस द्वारा पति और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार करके आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली कविता पाटिल (40 वर्ष) ने बुधवार को थाना क्षेत्र के सिल्वर स्प्रिंग स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आत्महत्या करने के पहले कविता ने अपने उल्टे हाथ पर सुसाइड नोट लिख छोड़ा है। सुसाइड नोट में उसने अपने पति पंकज पाटिल और उसकी गर्लफ्रेंड नम्रता का नाम लिखा और दोनों के संबंध का जिक्र कर यह बताया है कि दोनों का लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा है।

वहीं नम्रता न्यूट्रीशन डाइटिशियन का काम करती है और पति पंकज पाटिल पीथमपुर की किसी निजी फैक्ट्री में नौकरी करता है। आत्महत्या किए जाने के वक्त कविता घर में अकेली थी। कविता की शादी कुछ साल पहले इंदौर के रहने वाले पंकज पाटिल से हुई थी। कविता की दो बेटियां भी हैं। घटना के समय उसकी एक बेटी स्कूल गई हुई थी और पति भी घर के काम से बाहर गया था। घटना के बाद पुलिस ने कविता के आरोपी पति पंकज और उसकी प्रेमिका नम्रता के खिलाफ आईपीसी की धारा 306 के मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

शिक्षिका पूजा पाटीदार चला रही निराश्रित वृद्धाश्रम, बेसहारा बुजुर्गों की बनी सहारा

माही की गूंज, बड़वानी।

शक्ति के कई रूप है। कहीं शक्ति स्वरूपा मां के रूप में लालन पालन कर रही है तो कहीं भार्या बन सेवा कर रही। कहीं बहन बेटी के रूप में अपने माता-पिता और स्वजनों की सेवा सुश्रुषा कर उनमें सकात्मकता की प्रेरक शक्ति का संचार कर रही है।

अपनों के साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियां भरने का कार्य जिले की एक समाजसेवी युवती कर रही है। यह युवती बेसहारा बुजुर्गों का सहारा बनकर उनकी सेवा कर रही है। उन्हें बेहतर पारिवारिक माहौल देकर उनमें सकारात्मकता की शक्ति का संचार कर रही है।

हम बात कर रहे हैं ग्राम कुंडिया निवासी शिक्षिका पूजा पाटीदार की। पेशे से शिक्षक पूजा अपनी नौकरी के अलावा बुजुर्गों की सेवा का कार्य करती है। गांव में अपने निवास के समीप ही वे निराश्रित वृद्धाश्रम चलाती है। इसका खर्च भी स्वयं ही उठा रही है। पूजा ने बताया कि इसकी प्रेरणा उन्हें उनके दादा जगन्नाथजी पाटीदार से मिली। इसलिए अपने आश्रम का नाम भी उन्होंने जगन्नाथ आश्रम रखा है।

वर्तमान में उनके पास पांच वृद्ध निराश्रित लोग है जिनकी देखभाल प्रतिदिन वे कर रही है। करीब पांच वर्ष से उनकी यह सेवा जारी है। अब तक करीब 30 बीमार बुजुर्गों की सेवा कर चुकी है। ये बुजुर्ग स्वस्थ होने के बाद अपने घर वापस चले गए। इन्हें इनके स्वजनों से मिलाया। इस कार्य में पूजा के पिता किरण पाटीदार एवं पति कुलदीप पाटीदार भी उनका हाथ बंटाते हैं।

जिला अस्पताल पहुंचकर भटकते वृद्धों को देती है सहारा

समाजसेवी अजीत जैन ने बताया कि पूजा अपने आश्रम के साथ ही जिला अस्पताल में भी समय-समय पर आती है। यहां पर यदि कोई भटकते हुए वृद्धजन पहुंचते हैं तो उनकी सेवा कर अपने आश्रम में ले जाती है। आश्रम में उनका पूरा इलाज व देखभाल कर स्वस्थ कर उनके स्वजनों तक पहुंचाती है।

42 डिग्री पार पहुंचा तापमान, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

माही की गूंज, बड़वानी।

अत्यधिक गर्मी के लिए प्रसिद्ध बड़वानी जिले में सूरज के तेवर तीखे हो गए है। 42 डिग्री सेल्सियस के पार हुए पारे ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है।भीषण गर्मी हलाकान कर रही है। दोपहर के समय बाजार में सन्नाटा पसर रहा है।

लोग घरों में कैद होकर कूलर पंखे और एसी की ठंडी हवा से गर्मी से राहत पा रहे हैं। शाम के समय राजघाट पर नर्मदा स्नान व जलक्रीड़ा के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचने लगे हैं। शीतलपेय की दुकानों पर भी देर रात तक लोगों का तांता लगा रहता है। वहीं गर्मी में लू और तापघात से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे ने बताया कि जिले में अत्यधिक गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए लू-तापघात से बचाव के लिए एडवायजरी जारी की गई है। गर्मी में शुष्क वातावरण में लू, तापघात की संभावना जानलेवा भी हो सकती है। लू से बचाव के लिए गर्मी के दिनो में धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के ढीले सूती वस्तों का

प्रयोग करें।

भोजन करके एवं पानी पीकर ही बाहर निकलें। गर्मी के मौसम में गर्दन के पिछले भाग, कान व सिर को गमछे या तोलिये से ढ़ंककर ही धूप में निकलें। रंगीन चश्मे व छतरी का प्रयोग करें। गर्मी में हमेशा पानी अधिक मात्रा में पीये एवं पेय पदार्थो का अधिक से अधिक मात्रा में सेवन करें। बाहर जाते समय अपने साथ पानी रखे।

बच्चों का रखें विशेष ध्यान

चिकित्सकों के अनुसार गर्मी के दिनों में बच्चों का विशेष ध्यान रखे। बच्चों को सिखाये कि जब भी उन्हें अधिक गर्मी महसूस हो तो वे तुरन्त घर के अंदर आये, गर्मी के दिनो में बुजुर्गो का भी विशेष ध्यान रखे। उन्हें धूप में घर से बाहर न निकलने दे। समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें। सुपाच्य भोजन एवं तरल पदार्थो का सेवन कराए। गर्मी के दिनो में ठंडे मौसमी फलों का सेवन करें। तीव्र धूप को घर के अंदर आने से रोके। पालतू जानवरों को भी कभी भी बंद वाहन में अकेला न छोड़े। संतुलित व हल्का तथा नियमित भोजन करे।

यह है लू के लक्षण

लू में गर्म लाल और सूखी त्वचा, शरीर का तापमान तेजी से बढ़ता है। इसके प्रभाव से मितली या उल्टी आना, बहुत तेज सिर दर्द, मांसपेशियो में कमजोरी या ऐंठन, सांस फूलना या दिल की धडकन तेज हो जाना। घबराहट होना, चक्कर आना, बेहोशी और हल्का सिरदर्द हो सकता है। रोगी को तुरन्त छायादार जगह पर कपड़े ढीले कर लिटा दे एवं हवा करें।

रोगी के बेहोश होने की स्थिति में कोई भी भोज्य, पेय पदार्थ ना दे एवं तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। रोगी के होश में आने की दशा में उसे ठंडे पेय पदार्थ जीवन रक्षक घोल, कच्चे आम का शर्बत (पना) आदि दे।

रोगी के शरीर का ताप कम करने के लिए संभव हो तो उसे ठंडे पानी से स्नान कराये या उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टिया रखकर पूरे शरीर को ढक दे, इस प्रक्रिया को तब तक दोहराये, जब तक कि शरीर का ताप कम नही हो जाता।

सिग्नल पार कर रहे बुजुर्ग को ट्रक ने रौंदा मोके पर हुई मौत

माही की गूंज, खरगोन। जिले में एक मौत का लाइव वीडियो सामने आया है। दरअसल, खरगोन शहर के गायत्री मंदिर तिराहे पर सिग्नल से गुजर रहे एक ट्रक ने गायत्री मंदिर से पूजा कर लौट रहे एक बुजुर्ग को बुरी तरह से रौंद दिया। इस दौरान दर्दनाक हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। खरगोन के बल्लभ नगर निवासी 67 वर्षीय विजय भास्करराव शर्मा गायत्री मंदिर में नवमी पर पूजा अर्चना कर लौट रहे थे। तभी गायत्री मंदिर तिराहे पर सिग्नल से गुजर रहे एक ट्रक ने उन्हें बुरी तरह से कुचल दिया। जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे की मौत का लाईव वीडियो का गायत्री मंदिर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। मृतक शर्मा अविवाहित थे। वे परिवार के सेवा कार्यों में लगे रहते थे। वहीं हादसे के बाद कोतवाली पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया पर प्रचार से पहले लेनी होगी अनुमति, आयोग द्वारा दिशा-निर्देश जारी

माही की गूंज, खरगोन।

सोशल मीडिया और वेबसाइट पर चुनावी प्रचार के लिये भी अनुमति लेनी होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। आयोग ने माना है कि सोशल मीडिया और वेबसाइट भी रेडियो-केबल टीव्ही की तरह इलेक्ट्रोनिक मीडिया हैं। जिस पर किए जाने वाले चुनाव प्रचार को कानूनी रूप में विनियमित करना आयोग का अधिकार है। सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले चुनावी प्रचार का खर्चा संबंधित प्रत्याशी के खाते में शामिल किया जाएगा। साथ ही राजनैतिक दलों व उम्मीदवारों से भी कहा है कि बिना अनुमति के सोशल मीडिया का उपयोग चुनावी प्रचार में न करें।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी दिशा निर्देशों में साफ किया गया है कि सोशल मीडिया मसलन एक्स, फेसबुक, यूट्यूब, विकीपीडिया और एप्स पर कोई भी विज्ञापन या एप्लीकेशन देने से पहले इसकी अनुमति अवश्य ली जाए। यह अनुमति मीडिया सर्टिफिकेशन ऑफ मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) देगी। इसके लिये राजनैतिक दलों व प्रत्याशियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा।

सोशल मीडिया पर दिए जाने वाले विज्ञापन का खर्चा भी राजनैतिक दल अथवा प्रत्याशी के चुनावी खर्च में शामिल होगा। चुनावी खर्चे में उन व्यक्तियों एवं टीम के वेतन व भत्ते भी शामिल होंगे, जो उम्मीदवार या राजनैतिक दल का सोशल मीडिया एकाउण्ट या वेबसाइट संचालित करने का काम करते हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर भी आचार संहिता पूरी तरह से लागू रहेगी। साथ ही वेबसाइट और सोशल मीडिया एकाउण्ट पर पोस्ट की जाने वाली सामग्री इसके अधीन रहेगी।

प्रत्याशी ने यदि स्टार प्रचारक के साथ यात्रा की तो आधा खर्च निर्वाचन व्यय में जुडेगा

माही की गूंज, खरगोन।

लोकसभा निर्वाचन के दौरान उम्मीदवारों को चुनाव खर्च के मामले में बेहद सतर्क रहना होगा। निर्वाचन व्यय पर आयोग और विभिन्न टीमों की लगातार निगरानी रहेगी। उम्मीदवारों की चुनाव प्रचार संबंधी हर गतिविधियाँ वीडियोग्राफी के जरिए कैमरे में दर्ज होगी। इसी कड़ी में चुनाव के दौरान राजनैतिक दलों के स्टार प्रचारकों का दौरा, रैली, सभाओं पर भी विशेष निगाह रखी जायेगी। यदि उम्मीदवार स्टार प्रचारक के साथ यात्रा करता है तो पचास प्रतिशत यात्रा खर्च प्रत्याशी के चुनाव खर्च में जोड़ा जायेगा। यदि उम्मीदवार स्टार प्रचारक के साथ पंडाल सभा करता है और सभा में अपने नाम के साथ उसका फोटो या पोस्टर प्रदर्शित करते हैं तो सभा का खर्च भी प्रत्याशी के खाते में जोड़ा जायेगा। स्टार प्रचारक के साथ यात्रा खर्च में उन्हीं को छूट मिलेगी, जो परिचारक, सुरक्षा एवं चिकित्सा कर्मी, प्रिंट या इलेक्ट्रानिक मीडिया का कोई प्रतिनिधि, कोई व्यक्ति या दल का सदस्य जो चुनाव क्षेत्र का प्रत्याशी तथा प्रत्याशी के चुनाव अभियान में सम्मिलित नहीं है।

'भऐ प्रकट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी', भगवान श्री राम जन्मोत्सव पर मंदिर में गूंजी स्तुति

माही की गूंज, आम्बुआ।

मर्यादा पुरुषोत्तम दशरथ नंदन देव गौ माता के रक्षक सूर्य कुल के कुलदीप भगवान श्री राम जी का जन्मोत्सव आम्बुआ श्री राम मंदिर में भी मनाया गया। आरती के पश्चात प्रसादी वितरित की गई। आयोजन में बाल शिव भक्त मंडल, महिला मंडल, तथा रामायण मंडल ने सहयोग प्रदान किया।

गूंज संवाददाता को श्री राम मंदिर के पुजारी शंकर लाल पारीक ने बताया कि, श्री राम मंदिर में भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिर में विराजित भगवान श्री राम, सीता एवं अनुज लक्ष्मण जी की मूर्तियों का आकर्षण श्रृंगार किया गया। दोपहर 12 बजे भगवान श्री राम की महाआरती पश्चात प्रसादी वितरण की गई। भऐ प्रकट कृपाला स्तुति का गायन किया गया। कार्यक्रम में बाल शिव भक्त मंडल, महिला मंडल, तथा रामायण मंडल का सहयोग रहा। महिला मंडल द्वारा भगवान के जन्मोत्सव गीत गाए गए।

'गुरुओं' को अपना 'गुरुत्व' बढ़ाने की आवश्यकता

माही की गूंज, खरगोन।

'गुरुत्व' प्रियदर्शिनी पब्लिक स्कूल बोरावा में शिक्षकों की कार्यशाला में शिक्षकों को प्रशिक्षण देते हुए यह बात कही। शिक्षक उन्मुखीकरण एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 'गुरुत्व' अन इंडक्शन फॉर टीचर' शीर्षक के तहत हुआ। उक्त प्रशिक्षण के मास्टर ट्रेनर बेहवियर विज्ञान विशेषज्ञ श्री दिलीप कपें सेवानिवृत प्राचार्य थे।

कार्यशाला के शुभारंभ पर आपने शिक्षकों के लिए आर्ट ऑफ लर्निंग नामक खेल के माध्यम से अध्यापन के क्षेत्र में शिक्षको के महत्व को समझाया ,डाइग्नोस्टिक मेथड के उदाहरण से एक सफल शिक्षक उस चिकित्सक की तरह होता है जो अपने रोगी की पूरी बात को सुनकर समझकर फिर उसका उचित उपचार करता है ठीक उसी प्रकार शिक्षक भी अपने छात्र की समस्या को जानकर , समझकर उचित परामर्श द्वारा उसके अध्ययन में आ रही कठिनाइयों को दूर करता है।

आपने विद्यार्थी क्यो नही सीखते हैं? उसके क्या कारण हैं? ऊँन कारणो को किस विधि से सिखाया जाए शिक्षण की विभिन्न विधियां, उनका महत्व एवं शिक्षण में उन्हें प्रायोगिक रूप से प्रयोग कर अपने शिक्षण को किस प्रकार प्रभावी बनाया जा सकता है पर भी प्रकाश डाला ,विशेषरूप से थार्न डाइक की एस-आर प्रणाली आज के परिदृश में बहुत ही महत्वपूर्ण है।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ मिश्रा ने भी कार्यशाला में शिक्षकों से आवहान किया कि हमें छात्रों को पढ़ाने की बजाय सिखाने पर फोकस करना चाहिए उनकी आवश्यकताओ के अनुसार अध्यापन करवाना चाहिए। छात्रों का अध्यापन, स्मार्टनेस लाकर, संसाधनों का प्रयोग कर शिक्षण को प्रभावी बनाना चाहिए। उक्त कार्यशाला प्रशिक्षण में कुल 44 शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया। कार्यशाला के अंत में सभी शिक्षकों ने क्या -क्या सीखा किया बिंदुवार प्रस्तुत किया। आभार वाइस प्रिंसीपल वर्मा ने माना।

रामनवमी जुलूस से पहले 10 डीजे वाहन किए जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

शहर में रामनवमी पर बुधवार को जुलूस के पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की हैं। जुलूस के लिए आए 10 डीजे जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार डीजे जुलूस में शामिल होने आए थे।मंगलवार को ही आयोजन समिति से डीजे को शामिल नहीं करने को कहा था। साथ ही नियमानुसार डीजे प्रतिबंधित है। डीजे जब्त होने से आयोजन समिति के लोग नाराज हैं।

शादी में डीजे बजाकर लौट रहा था, पुलिस ने किया जब्त

पुलिस ने डीजे बजाने वाले वाहन के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। यह डीजे वाहन किसी शादी में से डीजे बजाने के बाद वाहन लेकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान शिकायत मिलने पर पुलिस ने डीजे वाहन पर धारा 188 के तहत कार्रवाई की है। थाना प्रभारी निर्मल श्रीवास ने बताया की ग्राम खोड़ी में डीजे वाहन के निकलने के दौरान जोर-जोर से बजाने की सूचना मिली थी। इस पर जब पुलिसकर्मियों को भेजने पर शिकायत सही पाई गई। इसके बाद डीजे वाहन को तुरंत बड़वाह थाना लेकर आए। यहां उसने बताया कि, डीजे एक शादी में बजाने के लिए ले गया था। वहीं से लौट रहा था, जिसके बाद वाहन चालक बंटी भालसे निवासी रतनपुर के खिलाफ धारा 188 के तहत प्रतिबन्धात्मक कार्रवाई की गई है। टीआइ ने कहा की सभी लोगों से अपील की है कि अचार स्नाहिता का अपील करते हुए पर्व मनाए और डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसे में किसी भी आयोजन में डीजे न बजाए।

बोरवेल ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने सुरक्षा उपाय करने के निर्देश

माही की गूंज, खरगोन।

गत दिवस रीवा जिले के मनिका गांव में बोरवेल में गिरने से मासूम बच्चे मयंक की मृत्यु होने की घटना को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। जिले में इस तरह की दुर्घटनाएं न हो और उन्हें रोकने के लिए सुरक्षा उपाय करने के मकसद से कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देश पर 15 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बोरवेल खनन करने वाले कॉन्ट्रेक्टर एवं डीलर्स की बैठक आयोजित कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर श्री जेएस बघेल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बीएस अचाले, विभाग के अन्य अधिकारी एवं जिले में बोरवेल खनन का काम करने वाले कॉन्ट्रेक्टर्स एवं डीलर्स उपस्थित थे।

बैठक में बोरवेल खनन करने वाले सभी कॉन्ट्रेक्टर्स एवं डीलर्स से कहा गया कि बोरवेल में छोटे बच्चों के गिरने संबंधी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय करना अनिवार्य है। बोरवेल खनन के पश्चात उसमें केसिंग पाइप लगाना अनिवार्य है, भले ही बोरवेल सुखा क्यों न हो। बोरवेल खनन के पश्चात उसमें केप लगाना अनिवार्य है और बोरवेल के उपर सीमेंट कांक्रीट का प्लेटफार्म अनिवार्य रूप से बनाया जाना है। जिस स्थान पर बोरवेल का खनन किया जा रहा हो, वहां तक किसान या भूमि स्वामी के साथ बोरवेल खनन करने वाले कॉन्ट्रेक्टर का जीपीएस के साथ फोटो खींचना अनिवार्य है।

बैठक में बताया गया कि, नलकूप खनन कार्य के पंजीयन एवं मॉनिटरिंग के लिए पोर्टल बनाया गया है। जिसमें विभिन्न विभागों, संस्थाओं, निजी व्यक्तियों द्वारा शासकीय/अशासकीय उपयोग के लिए खनित कराए जाने वाले नलकूपों की मॉनिटरिंग हेतु नलकूपों, नलकूप खनन करने वाली एजेंसी, मशीन तथा नलकूप खनन कराने वाले विभाग, संस्थाओं, व्यक्तियों की जानकारी को ट्रैक करने हेतु पोर्टल का निर्माण एम.पी.एस.ई.डी.सी. के माध्यम से कराया जा रहा है। इस पोर्टल पर नलकूप खनन मशीन, खनन एजेंसी को पंजीयन कराना आवश्यक होगा तथा इस पोर्टल पर नलकूप खननकर्ता व एजेंसी द्वारा नलकूप खनन संबंधी जानकारी दर्ज की जाएगी। नलकूप खनन की सूचना पोर्टल पर प्राप्त होने पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि खनन उपरांत संबंधित व्यक्ति, संस्था, विभाग द्वारा नलकूप के हैंडपंप, सबमर्सिबल पंप स्थापित कर दिया गया है।

यदि नलकूप में जल आवक क्षमता प्राप्त नहीं होती है या जल आवक क्षमता कम प्राप्त होती है तो नलकूप की केसिंग के ऊपर स्टील प्लेट का कैप लगाकर कैप को नट बोल्ट लगाकर केसिंग में फिक्स कर नलकूप के चारों ओर 0.50 बाय 0.50 बाय 0.60 मीटर आकार का जमीन से 30 मीटर नीचे और 30 मीटर ऊपर तक सीमेंट कांक्रीट ब्लॉक बनाया जाना होगा। यदि किन्हीं कारणों से नलकूप सूखा होता है, तो नलकूप को संबंधित नलकूप खननकर्ता एजेंसी, व्यक्ति द्वारा मिट्टी, रेत, मुरम आदि से ज़मीन की सतह तक भरने की कार्यवाही सुनिश्चित करनी होगी। यदि भवन निर्माण अथवा अन्य कारणों के लिए नलकूप/पाइल का खनन किया जाता है, तो खनन की अवधि के दौरान कार्यस्थल की सुरक्षा, बैरिकेटिंग इस प्रकार की जाए, जिससे स्थल के आस-पास कोई बच्चा न पहुँच सके।

3 मई से शुरू होगी 118 किमी लम्बी पंचकोशी यात्रा

माही की गूंज, उज्जैन।

परंपरा और धार्मिक विश्वास से जुड़ी 118 किलोमीटर लंबी पंचकोसी यात्रा अगले माह 3 मई से प्रारंभ होगी। इसमें एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया गया है।

तैयारियों को लेकर प्रशासन मुस्तैद है। इसी कड़ी में मंगलवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ यात्रा मार्ग एवं पड़ाव स्थलों का निरीक्षण किया। तेज गर्मी के मद्देनजर सभी पड़ाव स्थलों पर छाया, स्वच्छता, पेयजल, अस्थायी शौचालय एवं चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मार्गों पर खड़े बिजली के खंभों के झूलते तार देख उन्हें दुरस्त करने को कहा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत रखना, पड़ाव स्थलों पर अस्थाई चिकित्सा केंद्र बनाना। इन केंद्र में उपचार के लिए बिस्तर और आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता रखना। नगर निगम के अधिकारी को त्रिवेणी स्थित नवग्रह शनि मंदिर घाट की सफाई एवं पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने को कहा। जल संसाधन विभाग को जल आपूर्ती के निर्देश दिए।

यात्रा में सहयोग करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बिजली, क्षतिग्रस्त पुल की समस्या बताई। कलेक्टर ने समस्या के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया। ग्राम पंचायत नलवा के सामाजिक कार्यकर्ता ने कलेक्टर से कहा कि पड़ाव स्थलों पर शौचालयों की व्यवस्था का स्थायी समाधान कराएं। इस पर कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ सुलभ काम्प्लेक्स बनवाने के निर्देश दिए।

स्कंद पुराण में यात्रा का वर्णन

स्कंद पुराण के अवंति खंड में पंचकोसी यात्रा का वर्णन मिलता है। कहा गया है कि, वैशाख मास में कृष्ण पक्ष की दशमी से अमावस्या तक पंचकोशी यात्रा का विधान है। उज्जैन का आकार चोकोर है और इसके मध्य में भगवान महाकाल हैं। इनके चार द्वारपाल के रूप में पूर्व में पिंगलेश्वर, दक्षिण में कायावरूणेशवर, पश्चिम में बिल्केश्वर और उत्तर में दुर्दुरेश्वर स्थापित हैं, जो 84 महादेव मंदिर की श्रृंखला के अंतिम चार मंदिर हैं। यात्रा अनादिकाल से प्रचलित है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य ने प्रोत्साहित किया था। ये 14वीं शताब्दी से अबाध होती आ रही है। यात्रा वैशाख कृष्ण दशमी पर शिप्रा स्नान कर नागचंद्रेश्वर के पूजन उपरांत प्रारंभ होती है और 118 किमी की परिक्रमा कर कर्कराज मंदिर पर दर्शन उपरांत समाप्त होती है।

पड़ाव स्थलों पर ये भी रहेगी व्यवस्था

- बाजार भाव से खाद्य सामग्री मिलेगी।
- कला पथक दल के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मनोरंजन करेंगे।
- यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरे लगेंगे और पुलिस बल तैनात रहेगा।

पुलिस ने मुखबिर की सहायता से अवैध शराब की जप्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि, ग्राम चांदरमुली के नेवसिंह पिता धानका जमरा के घर में अवैधरूप से बडी मात्रा में शराब संगृहित करके रखी हुई है। मुखबीर से प्राप्त सूचना पर सोरवा पुलिस टीम के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये नेवसिंह के घर पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान नेवसिंह घर पर नही होना पाया गया। पश्चात पुलिस टीम के द्वारा घर की तलाशी लेंने पर घर के पीछे सूखे हुये मक्का के चारे के नीचे गोवा व्हीस्की की 130 पेटीयां छुपाकर रखी होना पाई गई, जिसे पुलिस द्वारा अपने कब्जे मे लेकर आरोपी नेवसिंह पिता धानका जमरा, निवासी चांदरमुली के विरूद्ध अपराध क्रमांक 73/2024, धारा 34-2 आबकारी एक्ट कर पंजीबद्ध कर अवैध शराब एक हजार 170 लीटर जप्त कर प्रकरण अनुसंधान में लिया गया है। उपरोक्त कार्रवाई मे थाना प्रभारी सोरवा उनि दिलीप चंदेल, चौकी प्रभारी फूलमाल उनि ललीत बैरागी, प्रआर कालुसिंह एवं आर दिलीप का योगदान रहा है।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि, संपूर्ण जिले में आचार संहिता का सख्ती से पालन करवाया जा रहा है। अलीराजपुर पुलिस के द्वारा आचार संहिता के दौरान अब तक कुल 378 प्रकरण बनाये जाकर 37 हजार 995 लीटर लीटर शराब कीमत एक करोड 41 लाख रुपए तथा अवैध शराब परिवन मे प्रयुक्त 7 वाहन जप्त किये गये हैं। अवैध शराब व्यवसाय में लिप्त असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगातार पुलिस की नजर बनी हुई है। अवैध शराब मे लिप्त असामाजिक तत्वों पर आगे भी प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

एग्जिट पोल पूर्णतः रहेगा प्रतिबंधित- कलेक्टर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने बताया कि, आदर्श आचार संहिता के दौरान प्रथम चरण की मतदान तिथि 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम साढ़े 6 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च को इस आशय की अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि, निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दंडनीय होगा।

जड़ी-बूटी के नाम से ग्रामीणों को लूट रहे विक्रेता

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्रामीण क्षेत्र के भोले-भाले ग्रामीण जोकि दिनभर मेहनत करते हैं जिस कारण उन्हें कई बार कई शारीरिक कष्ट होते रहते हैं। ऐसे परेशान ग्रामीणों को सड़क किनारे फुटपाथ पर तथा हाट बाजार के दिन आयुर्वेदिक दवाइयां के नाम से उन्हें जमकर लूटा जा रहा है। ऐसे दवा विक्रेता एक बार आते हैं और फिर न जाने कहां खो जाते हैं। ग्रामीणों को इस दवा विक्रेता मनोवैज्ञानिक तरीके से भ्रमित करते हैं। तेज बाम तथा तेल आदि लगाकर तत्काल राहत के नाम से उन्हें प्रभावित कर दवाइयां गोलियां बूटियों कुड़ियां तथा तेल आदि मनमाने भाव से बचकर रफू चक्कर हो जाते हैं। बगैर किसी रजिस्ट्रेशन के खुले बाजार धंधा करने वालों को किसी का डर नहीं है क्योंकि कोई भी जवाबदार अधिकारी-कर्मचारी इसकी इनकी जांच नहीं करता है। आयुर्वेदिक के नाम से न जाने क्या-क्या बेचकर ग्रामीणों को खुलेआम लूट जा रहा है। बाजार में भी ऐसे लुटेरे विक्रेता आते रहते हैं मगर स्वास्थ्य महकता कभी इधर ध्यान नहीं देता है। जिस कारण इनके हौसले बुलंद है और यह हजारों की चप्पल ग्रामीणों को लग जा रहे हैं।

गरीबों का फ्रिज हुआ महंगा, बनाने वाले कह रहे मेहनताना भी नहीं मिलता

माही की गूंज, आम्बुआ।

इन दिनों गर्मी का मौसम पूरे शबाब पर है। तेज धूप और गर्मी ने बेहाल कर दिया है। इस भीषण गर्मी में यदि ठंडा जल किसी को पीने मिल जाए तो मानो भगवान मिल गया। पानी फ्रिज में अधिक ठंडा होता है मगर यह मशीन आम आदमी की पहुंच से बाहर है। आम आदमी तो आज मटके का ठंडा जल पी रहा है मगर महंगाई की मार मटके पर भी पढ़ने से नए की जगह पुराने मटको पर टाट या कपड़ा गीला रख पानी ठंडा करने का जतन किया जा रहा है।

ग्रीष्म ऋतु में भोजन भले ही न मिले मगर ठंडे जल की चाहत मनुष्य, पशु-पक्षियों सभी में होती है। धनाढ्य तथा नौकरी पैसा अधिकारी वर्ग आरओं और फ्रिज का ठंडा पीकर प्यास बुझाने का प्रयास करते हैं। मगर फ्रिज के पानी से प्यास कहां बुझने वाली है। प्यास बुझाने के लिए मिट्टी के मटके सुराही आदि का पानी ही काम आता है जो की प्यास बुझाने के साथ-साथ स्वास्थ्य वर्धक भी होता है।

यही मटके सुराहियां भी अब इतनी महंगी होती जा रही है कि गरीब व्यक्ति की पहुंच से बाहर जा रहा है। गरीबों का फ्रिज कहे जाने वाले मटकों का भाव उसकी बनावट के अनुसार किया जाता है। काले, लाल मटकों का भाव भी अलग-अलग होता है कभी 30-40 रुपए में मिलने वाला बड़ा मटका अब 200-300 में मिल रहा है। मटके बनाने वाले बताते हैं कि मिट्टी, ईंधन, पानी, बिजली आदि महंगे होने के कारण हमारी मूल लागत भी निकालना मुश्किल होती है। यही कारण है कि, कई कुम्हारों ने अपना यह पुस्तेनी धंधा बंद कर अन्य धंधे में लग रहे हैं। आगामी वर्षों में मिट्टी का कार्य लगभग बंद हो जाएगा ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर। शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आज़ाद नगर (भाबरा) में आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए ईएलसी क्लब की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें नव मतदाताओ में मतदान के महत्व और मतदाता जागरूकता हेतु निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नव मतदाताओ को प्रतिज्ञा दिलवाई गई एवं निर्वाचन से संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सरदारसिंह डोडवे ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मानसिंह डोडवा ने किया। प्रो. दिलीप गरवाल द्वारा लघु फिल्म व विभिन्न ऐप्स के बारे में जानकारी दी। जिसमें महाविद्यालयिन विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रो. कमलेश गणावा ने माना। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब प्रभारी डॉ. रेशम बघेल व समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

विधायक ने दी की आर्थिक सहायता

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर। चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) के वार्ड क्रमांक 11 के कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता भुदरा का आकाशीय बिजली गिरने से मंगलवार शाम देहांत हो गया है। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मदन डावर सुबह से ही परिवार के साथ रहे एवं अंतिम संस्कार क्रिया संपन्न करवाई। इस आकस्मिक घटना के पश्चात विधायक श्रीमती सेना पटेल द्वारा परिवार को ढांढस बंधाया एवं अपनी तरफ से 10 हजार रुपए की नगद सहायता राशि दी। सहायता राशि भुदरा के भाई एवं पुत्र को ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मदन भाई डाबर, जिला उपाध्यक्ष लाइक मोहम्मद शेख, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भारता, शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश जैन एवं कार्यवाहक अध्यक्ष हरीश भाबर की उपस्थिति में प्रदान की।

इस मंदिर में सिर्फ नवरात्र में कर सकते है गर्भगृह में मां कामाख्या के दर्शन

माही की गूंज, धार।

जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर स्थित सरदारपुर तहसील के राजगढ़ में श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र पांच धाम एक मुकाम माताजी मंदिर में वैसे तो हर दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है, लेकिन नवरात्र पर यहां विशेष रूप से भक्त आते हैं। दरअसल, यहां प्रतिवर्ष नवरात्र के अंतिम दो दिन यानी अष्टमी और नवमी पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां कामाख्या देवी के दर्शन गर्भगृह में करने का अवसर श्रद्धालुओं को मिलता है। मां के दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से मंदिर पहुंचते हैं।

इतिहास

मंदिर में विराजित मां कामाख्याजी के स्वरूप को मंदिर के संस्थापक स्वामी मुरलीधर भारद्वाज ने स्थापित किया था। मां कामाख्या का मुख्य मंदिर असम में है। तप, साधना, अनुष्ठानों से यहां मां की स्थापना वर्ष 1950 के आसपास हुई। बताया जाता है कि गुरुजी ने आसाम से यहां पहुंचकर गर्भगृह में मां को स्थापित किया और लंबे समय तक एकांतवास में ही मां का पूजन-अर्चन किया गया। विशेषता यह है कि मां के दर्शन करने मात्र से सभी प्रकार की न सिर्फ इच्छाओं की पूर्ति संभव हो जाती है, अपितु व्यक्ति भयमुक्त होकर खुद को धन्य महसूस करता है।

अंश स्वरूप के दर्शन होते हैं वर्षभर

पूर्व में यहां पर गर्भगृह में जाने की अनुमति किसी को भी नहीं थी, लेकिन भक्तों के आग्रह पर और मां की इच्छानुसार इसे वर्ष में चार बार यानी दोनों ही नवरात्र के दौरान अष्टमी और नवमी पर आम भक्तों के दर्शन के लिए खोला जाता है। गर्भगृह में विराजित मां के स्वरूप के अंश को मंदिर में ऊपर की तरफ विराजित किया गया है, जिसके दर्शन वर्षभर श्रद्धालुओं को होते हैं।

मां के दर्शन से दूर होते हैं कष्ट

मंदिर के मुख्य पुजारी पं. पुरुषोत्तम भारद्वाज बताते है कि, जिस समय राजगढ़ नगर का यह आखिर छोर हुआ करता था और सूर्यास्त के बाद आमजन यहां से गुजरने से डरते थे, तब से मां का प्राचीन मंदिर अपनी दिव्य आलौकिता से दमक रहा है। सच्ची श्रद्धा लिए मां के दर्शन करने से न सिर्फ कष्ट, दुख और भय दूर होता है, अपितु जो शक्ति प्राप्त होती है, वह अद्भुत है। परंपराओं के निर्वहन में हम बड़े गुरुजी द्वारा प्रदत्त अनमोल धरोहर को संभालने का प्रयास कर रहे हैं।

भक्त सत्यनारायण माहेश्वरी ने बताया कि, मां कामाख्या देवी का मंदिर प्राचीन के साथ चमत्कारी हैं। यहां आने मात्र से भक्तों के भय दूर हो जाते हैं। मां की दयादृष्टि भक्तों पर हो जाए, इसलिए हर भक्त नवरात्र का बेसब्री से इंतजार करते हैं और अष्टमी व नवमी पर वे दर्शन पाकर निहाल हो जाते हैं। मां के कई चमत्कार ऐसे हैं, जिन्हें शब्दों में बयां करना संभव नहीं है।

न रसूक काम आया, न हीं प्रभाव और पिता-पुत्र को पकड़ ले गई छत्तीसगढ़ पुलिस

मामलाः चोरी के जेवरात खरीदने और बेचने का...

माही की गूंज, झाबुआ।

पारा चौकी क्षेत्र, जिले में अवैध शराब बेचने वालों में एक बड़ा गढ़ माना जाता है। यह क्षेत्र धार जिले की परीसीमा से सट्टा है और इसी कारण पारा या पारा चौकी क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वाले धार जिले में अवैध शराब सप्लाई भी करते हैं और साथ ही ठेकेदार को सेंध लगाकर धार जिले से पारा क्षेत्र में अवैध शराब लाने में भी बड़ा खेल होता रहा है। शराब ठेकेदार भी पारा दुकान में दिनदहाड़े वाहनों में शराब भर क्षेत्र में सप्लाई करता है और वही धार जिले के कई ब्लैकर पारा दुकान से चार पहिया वाहनों में शराब ले जाते हैं। जिसके कारण पारा व पारा क्षेत्र जिले में अब शराब बेचने वालों का एक बड़ा गढ़ माना जाता है।

वहीं अब यहां के स्वर्ण व्यापारी बाहरी राज्यों में भी चोरी हुए जेवरात खरीद रहे हैं और बाहरी राज्य की पुलिस यहां के स्वर्ण व्यापारी को पकड़ कर ले जा रही है। जिससे अब पारा के रहवासी व सभ्य व्यापारी भी अपने आप में इस बात से शर्मिंदा है कि, पारा को अब बाहरी राज्यों में चोरी हुए जेवरात को खरीदने का एक गढ़ पारा को कहा जाने लगा है। वाकई में कहते हैं कि बद से बदनामी बुरी और एक पापी पूरी नाव को डूबो देता है। उसी तरह चोरी के जेवरात खरीदने वाले गिने-चुने व्यापारियों ने सभ्य रूपी पारा ग्राम के नाम को बदनाम करने में कोई चूक नहीं की गई है। नतीजन कुछ समय पूर्व ही हरियाणा राज्य के जिला हिसार थाने की पुलिस पारा के स्वर्ण व्यापारी को चोरी का माल खरीदने के मामले में पकड़ने आई थी। परंतु किसी तरह स्वर्ण व्यापारी को इस बात का पता लग चुका था कि, हरियाणा पुलिस उसे पकड़ने आई है जिस पर पुलिस के आने के पूर्व अपना प्रतिष्ठान बंद कर रफू चक्कर हो गया और हरियाणा राज्य की पुलिस तीन-चार दिन तक स्थानीय पुलिस के साथ पकड़ने की कोशिष करी लेकिन वह पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा।

- रसुख रखने वाला व कमर में लायसेंसी बांधे खड़ा राजा सोनी निकला चोरी का माल खरीदने वाला!
- रसुखदार स्वर्ण व्यापारी के यहा छत्तीसगढ़ पुलिस छानबिन करते हुए।

उक्त व्यापारी पर आरोप था कि, हरियाणा राज्य के जिला हिसार थाना क्षेत्र में दुकान व मकान से चोरी हुए जेवरात बोरी व्यापारी के माध्यम से खरीदे थे। वहीं उक्त मामला पारा ग्राम व क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं उक्त फरार स्वर्ण व्यापारी के बड़े भाई को भी लॉकडाउन के समय एक अन्य राज्य की पुलिस चोरी का ही माल खरीदने के मामले में पकड़ कर ले गई थी और कुछ माह जेल की हवा खाकर आया की भी चर्चा क्षेत्र में चल रही थी कि, एक और मामला पारा व क्षेत्र वासियों के सामने आया। जिसमे पारा का स्वर्ण व्यापारी जो पारा के साथ ही झाबुआ व आगे तक भी अपना अच्छा खासा रसूख व अपना प्रभाव भी रखता है। उक्त रसूखधारी व प्रभावशील स्वर्ण व्यापारी रोहित है। जिसे उपनाम राजा के नाम से जाना जाता है और वह एक राजा की तरह ही अपना रहन सहन रखता है। चूकी रोहित ने अपनी सुरक्षा के लिए रिवाल्वर का लाइसेंस भी ले रखा है।

10 अप्रैल की रात्रि करीब 10 बजे छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले के कोतरा रोड थाने की पुलिस, स्थानीय पुलिस को लेकर रोहित उर्फ राजा सोनी के घर की घेरा बंदी कर रोहित एवं उसके पिता दिलीप सोनी को गिरफ्तार किया। झाबुआ कोतवाली पर दो-तीन दिन रख छत्तीसगढ़ पुलिस ने पूछताछ की ओर 14 अप्रैल को आरोपित दोनों पिता पुत्र को पुलिस स्वर्ण व्यापारी की दुकान पर लेकर आई जहा दुकान की पूरी जांच कर कुछ जेवराज जप्त किए व दोनों आरोपित को छत्तीसगढ़ के कोतरा रोड थाने पर ले गए।

बताया जाता है कि, उक्त आरोपित रोहित उर्फ राजा सोनी को चोरी के मामले में एक वर्ष पूर्व निमाड़ क्षेत्र की पुलिस भी पकड़ कर ले गई थी।

मामले में पारा चौकी प्रभारी ब्रिजेंदर सिंह ने बताया, रोहित उर्फ राजा सोनी व उसके पिता दिलीप (पप्पू)सोनी को छत्तीसगढ़ राज्य के कोतरा थाने की पुलिस चोरी के माल को खरीदने व बेचने के आरोप में पकड़ कर ले गई है। एक किलो करीब चांदी भी जप्त की है। मुझे यह नहीं पता कि चोरी का माल यहां खरीदा या वहां जाकर। यह सही है कि रोहित सोनी के पास रिवाल्वर रखने का लाइसेंस है।

गरीबों के हक का अनाज खाने वाला पप्पू सेठ क्या फिर से धार्मिक आस्था की आड़ में अपने पाप धोने में लगा...?

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में समाज सेवा और धार्मिक आस्था का चोला पहनकर जनता का करोड़ों का माल लूटने वाले लुटेरों की भरमार है। जो साल भर जनता और सरकारों का माल दोनो हाथों से लूटते हैं फिर साल में एक दो धार्मिक प्रायोजन भंडारे, दान पुण्य करके समाजसेवा का चोला ओढ़ लेते हैं।

ऐसा ही प्रयास शायद इन दिनों मेघनगर में दिखने को मिल रहा हैं जहां गरीबों के लाखों रुपए के गेहूं, चावल में हेराफेरी करने का आरोपीत सुरेशचंद्र जैन उर्फ पप्पू सेठ फुट तालाब में धार्मिक प्रायोजनो की आड़ में अपने पुराने पाप धोने के प्रयास कर रहा है। ये सुरेशचंद्र जैन उर्फ पप्पू सेठ वही है जिसको वर्ष 2020 में तत्कालीन एसडीएम आईएएस शिशिर गेमावत के निर्देशन में तहसीलदार जितेंद्र अलावा, नायब तहसीलदार भूपेंद्र भिड़े, राजस्व निरीक्षक व पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम ने नागरिक आपूर्ति विभाग के गोदामों पर औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण होना पाया था और जिसे पेटलावद वेयर हाउस के अनाज घोटाले में से वर्ष 2020 में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 आईपीसी किं धारा 409 के अंतर्गत लाखो रुपए के गेहूं, चावल की हेराफेरी में आरोपी बनाया गया था और जिसे 31 दिन तक जेल में रहना पडा था। सुरेशचंद्र जैन पर आरोप था कि, इन्होंने गोदामों से शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर गरीबों के लिए पहुंचने वाले अनाज में बड़ी मात्रा में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार किया था। जिसके बाद इनके ट्रांसपोर्टिंग फर्म को भी ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया था। मगर वो कहते हैं ना सौ पाप किए जाओ और फिर गंगा नहा लो। उसी तर्ज पर सुरेशचंद्र पूरणमल जैन उर्फ पप्पू सेठ कार्य कर रहा है और धार्मिक प्रायोजनों की आड़ में अपने पापो को धोने के प्रयास में हैं। मगर ऊपरवाले के घर सबको अपने पापो का हिसाब देना है।

- भाजपा सरकार में आरोपी बना पप्पू को भाजपा सरकार ने ही किया सम्मान?

सभी अधिकारी, नेताओं की शिरकत शंकास्पद

फुट तालाब में होने वाला उक्त प्रायोजन बेशक धार्मिक होता है मगर इस धार्मिक प्रायोजन को करने वाला व्यक्ति सुरेशचंद्र पुरणमल जैन उर्फ पप्पू सेठ न सिर्फ एक विवादित व्यक्ति है और गरीबों के अनाज में बड़ी गड़बड़ी और हेराफेरी करने का आरोपीत है। बल्कि लगातार इन पर गरीबों के हक के राशन में गड़बड़ी के आरोप लगते रहते हैं। ऐसे में ऐसे विवादित और आरोपीत व्यक्ति द्वारा प्रायोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में नेताओं सहित कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और खाद्य अधिकारियों का जाना जनता की नजर में कहीं न कहीं शंका को जन्म देता है। साथ ही पद की गरिमा को भी कम करता हैं। क्यूकि खाद्य आपूर्ति में गड़बड़ी रोकने और उसके जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से इन्ही के जिम्मे होती है जिस से जनता के बीच गलत संदेश जाता है।

भाजपा की सरकार में ही कार्रवाई और भाजपा ने ही दिया समाजसेवी का पुरस्कार!

सुरेशचंद्र पुरणमल जैन उर्फ पप्पू सेठ पर जब अनाज घोटाले के संबंध में कारवाई हुई उसके पूर्व उनका कांग्रेस से राजनीतिक संबंध था। वो कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भी रहे उस वक्त भाजपा के निचले स्तर के नेता से लेकर जिला अध्यक्ष यहां तक की तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी उन्हें अनाज माफिया की उपाधि दी थी। जिसके बाद उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई थी। इस कार्रवाई से घबराकर बाद में सुरेशचंद्र जैन ने कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था परंतु वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भोपाल में सुरश्चंद्र जैन उर्फ पप्पू सेठ को समाजसेवी के पुरुस्कार से अलंकृत कर दिया ये समझ से परे हैं। क्या कांग्रेस छोड़ते ही गरीबो के अनाज में भ्रष्टाचार का आरोपीत समाजसेवी हो गया जिसे मुख्यमंत्री ने मंच से सम्मानित कर दिया...? ये यकायक विचारणीय प्रश्न है।

चरम पर है विवाह समारोह, जमकर बिक रही शराब

पुलिस ने पकड़ी शराब से भरी पिकअप पर न ही शराब कंपनी का नाम, न हीं जप्त वाहन क्रमांक का उल्लेख

माही की गूंज, झाबुआ/कल्याणपुरा।

वर्तमान में मेघनगर क्षेत्र, कल्याणपुरा क्षेत्र, झाबुआ व राणापुर क्षेत्र तक आदिवासी समाज में भी शादी समारोह चरम पर है और इसी के चलते शराब ठेकेदार भी प्रतिदिन क्षेत्र में बड़ी मात्रा में शराब का परिवहन कर एजेंटो को घर-घर पर जाकर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से शराब सप्लाई कर जमकर चांदी काट रहा है। लेकिन शराब जब्ती की पुलिसिया कार्रवाई में कहीं से कहीं तक शराब ठेके से भर शराब जा रही है की कार्रवाई सामने नहीं आई है। जिसे देखकर यह साफ होता है कि, लोकसभा चुनाव का हवाला देकर वर्तमान में पुलिस द्वारा जो भी शराब जब्ती की कार्रवाई की जा रही है वह शराब ठेकेदार की मिली मुखबिर के साथ क्षेत्र में बेच रहे अवैध शराब के एजेंट शराब ठेकेदार को पटकनी देकर शराब ला रहे हैं वह शराब पकड़ी जा रही है। वही शराब के ट्रक जो की इंदौर-अहमदाबाद मुख्य मार्ग से पकड़े गए हैं वे निश्चित ही गुजरात की ओर जा रहे होंगे और वह शराब भी क्षेत्र के ठेकेदार की न होकर बाहरी व्यक्ति की होना तय है इसीलिए पुलिस बड़ी मात्रा में उक्त शराब पकड़ पा रही है। लेकिन क्षेत्र में प्रतिदिन ठेकेदार की शराब दुकान से चार पहिया वाहनों से एक दो नहीं बल्कि सैकड़ो वाहन भरकर क्षेत्र में सप्लाई हो रही हैं वहीं सीमावर्ती दुकानों से बाहरी राज्य के व्यक्ति भी बड़ी मात्रा में शराब ढोकर ले जा रहे हैं।

अवैध रूप से सप्लाई की जा रही शराब को पकड़ने में नाकामयाब ही पुलिस साबित हो रही है। बात करें कल्याणपुरा क्षेत्र की तो इस क्षेत्र में भी होली के बाद से आदिवासी समाज में जमकर शादी समारोह का आयोजन चल रहा है और शराब ठेके की कल्याणपुरा दुकान से गुजरात सीमा से सटा झायड़ा से लेकर इधर मोहनकोट तक शराब का अवैध परिवहन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। वही बताते हैं रात के 11 बजे से लेकर सुबह तक तो एक के बाद एक चार पहिया वाहन ठेके से भरकर शराब क्षेत्र में सप्लाई कर रहे हैं इस दौरान पुलिस की गस्त भी रहती है और पुलिस के सामने ही शराब दुकान से शराब भरकर ढोई जा रही है। वहीं दिन में भी बेखोब होकर शराब ठेकेदार के गुर्गे शराब सप्लाई कर रहे हैं।

कहने को तो झाबुआ पुलिस ने 15 अप्रैल की रात्रि में कल्याणपुरा-बाटिया बयड़ी की ओर से आ रही शराब से भरी पिकअप जप्त की। जिसमें 1608 बल्ब लीटर अवैध विदेशी शराब बीयर जप्त करना बताया। साथ ही आरोपी नरसिंह पिता नाथिया चौहान (35) निवासी खेड़ी तथा ड्राइवर प्रकाश निवासी संदला को फरार बताया।

उक्त प्रकरण में जारी प्रेस नोट में न हीं शराब कंपनी या उस ब्रांड का नाम और न हीं जप्त वाहन क्रमांक का उल्लेख किया। उक्त शराब जसी के बाद दो तरह की बात सामने आ रही है कि, पहली शराब ठेकेदार के कहने पर ही ब्लैकर द्वारा क्षेत्र में लाई जा रही शराब को पकड़वाया होगा। वहीं दूसरी यह भी चर्चा है कि पुलिस ने प्रेस नोट में वाहन क्रमांक का उल्लेख नहीं किया और न ही शराब की कंपनी या ब्रांड का नाम उल्लेख नहीं किया नतीजन ठेकेदार के अलावा अन्य ब्लेकर की शराब समझकर पुलिस ने शराब जप्त कर ली पर उक्त शराब ठेकेदार की होने पर शराब की ब्रांड व शराब वाहन का उल्लेख नहीं किया। इसलिए अंदाजा लगाया जा रहा है कि, वाहन पर लिखे क्रमांक जीजे 12 बी जेड 2087 उक्त शराब का टीपी के आधार पर शराब छुड़ाने का प्रयास भी किया जा सकता है अगर यह शराब ठेकेदार की होगी तो। लेकिन पुलिस ने अब तक वर्तमान में पकड़ी जा रही शराब में किसी भी बड़े मुख्य व्यक्ति का नाम आरोपी में शामिल नहीं किया है।

9 दिनी प्रभु प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विशाल भंडारा संपन्न

माही की गूंज, खवासा।

ग्राम खवासा में पाटीदार समाज द्वारा नो दिनी प्रभु प्रतिष्ठा का उत्सव, पंच कुंडात्मक सतचंडी महायज्ञ व विशाल भंडारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रभु प्रतिष्ठा उत्सव में पाटीदार समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तथा कार्यक्रम को भव्य रूप से संपन्न किया गया। 9 अप्रैल को हिमाद्री गणेश पूजन व घट स्थापना के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ और नो दिन तक अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। 12 अप्रैल को श्री राम दरबार के साथ ही मां अंबे एवं उमिया मां की मूर्तियों को विशाल शोभायात्रा के साथ नगर भ्रमण करवाया गया। शोभा यात्रा में विभिन्न प्रकार के ढोल, बाजे एवं अन्य वाद्य यंत्रों को शामिल किया गया। जिसमें पीपलखुटा के संत श्री श्री 1008 संत श्री दयाराम जी महाराज का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। शोभायात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया व विभिन्न संगठनों द्वारा कुल्फी, कोल्डड्रिंक व आइसक्रीम खिलाकर तथा पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। इसके साथ ही 16 अप्रैल को विशाल गंगाजल का कार्यक्रम रखा गया जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति द्वारा आस्था के प्रतीक गंगाजल के कलश को उठाया।

तेजाजी मंदिर से प्रारंभ होकर गंगाजल यात्रा का समापन राम मंदिर पर हुआ। जहां आरती के पश्चात प्रसादी वितरित की गई। रामनवमी के शुभ अवसर पर शुभ मुहूर्त में प्रभु श्री राम दरबार के साथ ही मां अंबे व मां उमिया की प्राण प्रतिष्ठा लाभार्थी परिवार द्वारा की गई। उसके पश्चात ठीक 12 बजे प्रभु श्री राम की जन्म आरती की गई। यज्ञ की पूर्णाहुति की गई और उसके पश्चात विशाल भंडारा भोजन प्रसादी कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें खवासा सहित आसपास के गांवो के सैकड़ो लोगों ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया। उल्लेखनिय है कि, खवासा में पाटीदार समाज द्वारा प्राचीनतम श्री राम मंदिर व मां अंबे मंदिर के जीर्णोद्धार कर उसे नवीनतम व भव्य रूप प्रदान किया गया है। जिसके बाद प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति ने अपना योगदान दिया। साथ ही प्रतिष्ठा के विभिन्न कार्यक्रमों के लाभार्थी का चयन बोलि लगाकर किया गया जिसमें सबसे बड़ी बोली भगवान श्री राम की प्रतिष्ठा की बोली के लाभार्थी डॉक्टर चंपालाल रावत रहे।

अन्य कार्यक्रमों की बोलियां भी लगाई गई नो दिन तक समाज के लिए सामूहिक भोज का भी आयोजन रखा गया।

अन्य बोलियो के लाभार्थी निम्न रहे। प्रधान कुंड के लाभार्थी दशरथलाल उंकारलाल मेलावत व शंकरलाल मोहनलाल भगत, द्वितीय कुंड के लाभार्थी ईश्वरलाल पूनमचंद रूपावत, तृतीय कुंड के लाभार्थी राजेन्द्र बद्रीलाल केलोत्रा, चतुर्थ कुंड के बसंतीलाल मांगीलाल घिया, पंचम कुंड के दुर्गाशंकर जगन्नाथ भगत, इसी प्रकार हनुमान स्थापना कुंड के शांतिलाल मोतीलाल पटेल, दिशा देव की स्थापना कुंड के गोपाल सुखराम डेरिया, महेश चन्द्र कैलाशचन्द्र डेरिया, दिनेश पुनमचंद गामी, भगवान के जाजम के लाभार्थी रणछौडलाल कालुराम भगत, मां उमिया माताजी की स्थापनाकर्ता के लाभार्थी कमलेश शंभुलाल पटेल, गणेश जी स्थापनाकर्ता के नरेश, डां संजय उकारलाल भगत, मां अम्बाजी कलश के लाभार्थी नंदलाल शंकरलाल मेलावत, वही तमाम धार्मिक आयोजन के लाभार्थी समाज के कई प्रभुत्वजन रहे।

राम दरबार, मां अम्बे व मां उमिया माताजी की हुई भव्य प्राण प्रतिष्ठा।

१२ अप्रैल को निकली शेभा यात्रा में अपार संख्या में भक्तगण हुए शामिल।

- समापन अवसर पर हुआ विशाल भंडारा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422